मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, शनिवार, 08 नवंबर 2025
संवत 2082, मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष 3 मूल्य-2 रुपये
वर्ष-9, अंक 59 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ शिशु सुरक्षा के लिए उठाने होंगे ठोस कदम

कार्तिक आर्यन ने शुरु की नागजिला की शूटिंग ◂◂ 6

सीतामढ़ी में बोले पीएम मोदी

बिहार में कट्टा वालों की जगह नहीं, बच्चे रंगदार नहीं डॉक्टर-इंजीनियर बनेंगे

एजेंसी

सीतामढ़ीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीतामढ़ी में विशान जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि मैं माता जानकी की प्रकट स्थली से संपूर्ण बिहार को प्रणाम करता हूं। पहले चरण के मतदान ने कमाल कर दिया है। उन्होंने महागठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि पहले चरण के मतदान से जंगलराज वालों को 65 वोल्ट का झटका लगा है। आपका यह प्यार और उमंग देखकर स्पष्ट लगता है कि इस बार फिर से एनडीए सरकार बनेगी। आपका आशीर्वाद सबसे बड़ी ताकत है। पीएम मोदी ने नहीं चाहिए कट्टा सरकार, फिर एक बार एनडीए सरकार का नारा दिया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव विकसित बिहार बनाने का चुनाव है। यह चुनाव आपके आने वाली पीढ़ी का भविष्य तय करेगा। इसलिए यह चुनाव काफी अहम है। इसलिए आपलोग पिछले हर मतदान का रिकॉर्ड तोड़ दें। बड़ी तादात में मतदान करें और हमारे उम्मीदवारों को अपना आशीर्वाद दें। पीएम मोदी ने कहा कि राजद वाले बिहार के बच्चों के लिए क्या करना चाहते

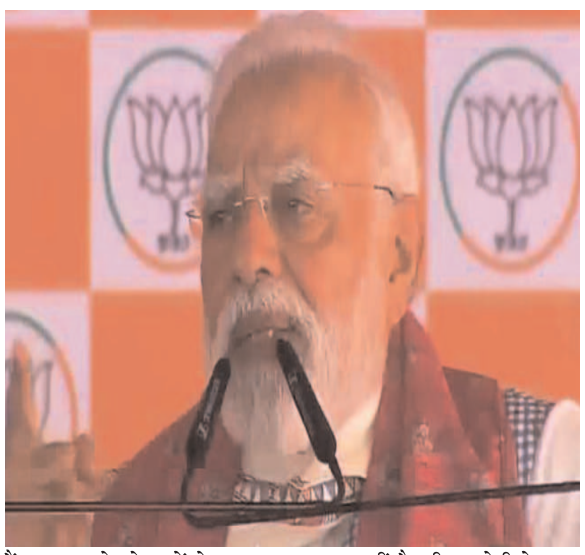

हैं? यह इनके नेताओं के चुनाव प्रचार में साफ दिखता है। आप जंगलराज वालों के गाने और नारे सुन लीजिए, आप कांप जाएंगे। राजद के मंगो पर मासूम बच्चों से कहलवाया जा रहा है कि उन्हें रंगदार बनना है। आप मुझे बताइए बिहार के बच्चे को रंगदार बनना चाहिए या डॉक्टर बनना चाहिए? क्या हम रंगदार बनाने वालों को जीतने देंगे? बिहार का बच्चा अब रंगदार नहीं, डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, जज बनेगा। मैं बिहार में जंगलराज वालों की जगह नहीं है। पीएम मोदी ने कहा कि राजद के लोग बिहार के बच्चों को कट्टा और दोनाली दे रहे हैं। खुद के बच्चों को मंत्री बनाना चाहते हैं। सारे सपने केवल अपने बच्चों के लिए देखते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि जंगलराज का मतलब है- कट्टा, क्रूरता कटुता, कुशासन, कुसंस्कार, करप्शन। क्या यह सब बिहार को मंजूर होगा?'

'राजद ने बिहार में विकास का माहौल ही खत्म कर दिया': पीएम मोदी ने कहा कि जैसे ही बिहार में जंगलराज आया, वैसे ही राज्य में बबार्दी का दौर शुरू हो गया। राजद ने बिहार में विकास का माहौल ही खत्म कर दिया। राजद और कांग्रेस वाले उद्योगों की एबीसी भी नहीं जानते हैं। वह केवल उद्योगों पर ताले लगाना चाहते हैं। यहीं मिथिला में मीलें और फ्रैक्ट्रियां बंद हो गईं। 15 साल में कोई भी बड़ा अस्पताल और फैक्ट्री बिहार में नहीं बना। इसलिए जंगलराज वालों के मुंह से विकास की बात सफेद झूठ है। बिहार के लोगों का सरकार से भरोसा उठ गया था। नीतीश कुमार ने इस भरोसे को वापस लाया। भाजपा और एनडीए की सरकार जो कहती और वह कहकर दिखाती है। पीएम मोदी ने कहा कि मिथिला की बहन और बेटियों में अद्भुत सामर्थ्य है। मोदी आपकी कला को दुनिया में पहुंचा रहा है। मैं दुनिया भर के लोगों को मधुबनी पेंटिंग देने का काम कर रहा हूं। यह सब मैं इसलिए कर रहा हूं क्योंकि मुझे बिहार पर गर्व है। मुझे बिहार की बेटियों की ताकत पर गर्व है। मैं चाहता हूं कि आपकी कला और आपका कौशल दुनिया भर में पहुंचे। पीएम मोदी ने मछली पालन के क्षेत्र में बिहार ने कमाल कर दिया है। इसी तरह हमलोग मखाना को हर कोने में पहुंचाना चाहते हैं। बिहार का मखाना दुनिया में पहुंचेगा तो फायदा छोटे किसानों को होगा। पीएम ने कांग्रेस पर जमकर बोला हमलाः पीएम मोदी ने कहा कि अगर राजद-कांग्रेस की सरकार रहती तो आपके हक का पैसा लूट लिया जाता। यह मैं नहीं बल्कि कांग्रेस के नामदार के पिताजी कहते थे। वह कहते थे कि दिल्ली से एक रुपया निकलता है तो गांव में जाते-जाते 15 पैसा हो जाता है। जरा बताओ यह कौन सा पंजा था? जो एक रुपये को घिस-घिस कर 15 पैसा कर देता था। आज पटना या दिल्ली से एक रुपया निकलता है तो 100 के 100 पैसे आपके खाते में जमा होते हैं। कांग्रेस और राजद आपका पैसा लूटने की फिराक में है। यह लोग इतने साल तक सत्ता में रहे लेकिन केवल लोगों को लूटने का काम करते रहे। देश के 100 से अधिक जिलों को कांग्रेस ने पिछड़ा घोषित कर दिया। इसमें सीतामढ़ी भी था। हमने इन पिछड़े जिलों को आकांक्षी जिला घोषित किया। आज सीतामढ़ी दूसरे विकसित जिलों को टक्कर दे रहा।

करूर भगदड़ मामलाः मद्रास हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा, टीवीके नेता की मुश्किलें बरकरार

एजेंसी

चेन्नई : मद्रास हाईकोर्ट ने करूर भगदड़ मामले में दायर याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। यह याचिका तमिलगा वेत्री कझगम के नेता द्वारा दायर की गई थी, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की थी। इस भगदड़ में कई लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनों घायल हुए थे।

घटना कुछ महीने पहले करूर में टीवीके द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हुई थी, जहां बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, भीड़ अचानक बेकाबू हो गई और अफरा-तफरी में कई लोग कुचल गए। पुलिस ने इस घटना के बाद ळश्ड नेताओं पर आयोजन में लापरवाही और सुरक्षा प्रोटोकॉल के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज की थी।

टीवीके नेता ने अदालत में दलील दी कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसा था और इसमें उनकी कोई व्यक्तिगत लापरवाही नहीं थी। उन्होंने कहा कि पुलिस ने राजनीतिक दबाव में आकर उनके खिलाफ झूठा मामला दर्ज किया है। दूसरी ओर, सरकार की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि कार्यक्रम बिना उचित अनुमति के आयोजित किया गया था और सुरक्षा इंतजाम बेहद कमजोर थे। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। अदालत जल्द ही अपना निर्णय सुनाएगी कि एफआईआर रद्द होगी या जांच आगे बढ़ेगी। इस मामले ने तमिलनाडु में राजनीतिक हलचल तेज कर दी है, जहां विपक्ष इसे राजनीतिक बदले की कार्रवाई बता रहा है, जबकि सत्ताधारी दल इसे कानून-व्यवस्था से जुड़ा मामला मान रहा है।

राजनाथ सिंह की मोहम्मद यूनुस को चेतावनी

भारत किसी भी तरह की चुनौती का सामना करने में सक्षम

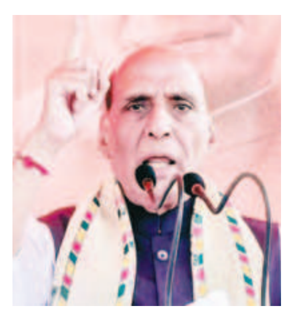

नई दिल्लीः रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बांग्लादेश के अंतरिम प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस को स्पष्ट चेतावनी दे डाली है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत किसी भी तरह की चुनौती का सामना करने में सक्षम है, लेकिन हम नहीं चाहते कि बांग्लादेश के साथ रिश्ते तनाव भरे हों। इसलिए मोहम्मद यूनुस जो भी बोलें, सोच-समझकर बोलें। राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि भारत बांग्लादेश के साथ किसी तरह का टकराव नहीं चाहता है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत हर तरह की चुनौती से निपट सकता है। लेकिन हम पड़ोसियों के साथ तनाव भरे रिश्ते नहीं चाहते हैं। गौरतलब है कि बांग्लादेश में हसीना सरकार के तख्तापटल के बाद भारत और पाकिस्तान में भी तनाव पैदा हो गया। शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश के अंतरिम प्रधानमंत्री की गद्दी संभाली। सत्ता में आने के बाद से वह लगातार भारत विरोधी बयान दे रहे हैं। हाल ही में उन्होंने एक और भडकाने वाली गतिविधि को अंजाम दिया।

रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास आग का तांडव, कई झोपड़ियां खाक

आधी रात घरों से भागे लोग

एजेंसी

दिल्ली :रोहिणी में शुक्रवार देर रात रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास कई झोपड़ियों में भीषण आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने यह जानकारी दी। डीएफएस ने बताया कि उसे रात करीब 10:56 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद 15 दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। फिलहाल दमकल कर्मी आग बुझाने में लगे हुए हैं। प्रारंभिक जानकारी से पता चलता है कि कई झोपड़ियां जलकर खाक हो गई हैं। इस बीच, पुलिस सूत्रों ने बताया कि कई एलपीजी सिलेंडर फट गए, जिससे आग और भड़क गई और निवासियों में दहशत फैल गई। डीएफएस के एक अधिकारी ने कहा, हमारी टीम आग बुझाने के लिए काम कर रही हैं। अधिकारियों ने शुरूआत में 15 दमकल गाड़ियाँ भेजीं, लेकिन जैसे-जैसे आग तेजी से फैलती गई, और कथित तौर पर कई एलपीजी सिलेंडर विस्फोटों के कारण और भी तेज हो गई, स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए और गाड़ियाँ तैनात की गईं। पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की है कि विस्फोटों से निवासियों में दहशत फैल गई, जिससे कई लोग आधी रात को अपने घरों से भागने को मजबूर हो गए। आग कैसे लगी?प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि आग एक झोपड़ी में लगी और एक-दूसरे से सटी हुई इमारतों और कई एलपीजी सिलेंडर विस्फोटों के कारण तेजी से फैल गई। विस्फोटों ने आग की लपटों को और तेज कर दिया, जिसने कुछ ही मिनटों में कई झुग्गियों को अपनी चपेट में ले लिया और निवासियों में दहशत फैल गई, क्योंकि वे सुरक्षित स्थानों की ओर भाग रहे थे।

डीएफएस के एक अधिकारी ने कहा, हमारी टीमें आग बुझाने के लिए काम कर रही हैं। हमने पुलिस से दर्शकों को दूर रखने को कहा है। उन्होंने आगे कहा कि एहतियात के तौर पर इलाके की घेराबंदी कर दी गई है।

पीएम मोदी ने चार वंदे भारत ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें बनारस-खजुराहो, लखनऊ-सहारनपुर, फिरोजपुर-दिल्ली और एनार्कुलम-बेंगलुरु रूट पर चलेंगी

एजेंसी

वाराणसी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी स्टेशन से वंदे भारत को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री योगी भी मौजूद रहे। पीएम के हरी झंडी दिखाते ही यात्रियों ने हर-हर महादेव के जयकारे लगाए। उनके स्वागत में काशीवासियों के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा की। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को बनारस स्टेशन से चार वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। पीएम मोदी ट्रेन में यात्रा करने वाले स्कूली बच्चों से संवाद करेंगे। विशेषज्ञों की मानें तो बनारस से खजुराहो जाने वाली नई वंदे भारत एक्सप्रेस कई मायनों में खास बन गई है। एक ओर जहां इस ट्रेन के साथ 8 का मूलांक जुड़ा है, वहीं आध्यात्मिक रूप से भी इस ट्रेन का संचालन महत्वपूर्ण है। पीएम ने चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई, जो बनारस-खजुराहो, लखनऊ-सहारनपुर, फिरोजपुर-दिल्ली और एनार्कुलम-बेंगलुरु रूट पर चलेंगी। वहीं आपको बता दें कि फिरोजपुर से दिल्ली का सफर वंदे भारत में 6 घंटे 40 मिनट का होगा। वहीं इससे पहले सबसे तेज चलने वाली ट्रेन पंजाब मेल में 7 घंटे 20 मिनट लगते थे। बनारस- खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस के संचालन से धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन को एक नया आयाम मिलेगा। यह ट्रेन वाराणसी, प्रयागराज, चित्रकूट और खजुराहो जैसे धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों को आपस में जोड़ेगी। नई वंदे भारत एक्सप्रेस वर्तमान में चल रही विशेष ट्रेनों की तुलना में करीब 2 घंटे 40 मिनट का समय बचाएगी। इससे यात्रियों को तेज, आरामदायक और आधुनिक यात्रा का अनुभव मिलेगा।

जम्मू-कश्मीरः कुपवाड़ा में घुसपैठ की कोशिश सुरक्षा बलों ने दो आतंकियों को किया ढेर

एजेंसी

कुपवाड़ाः जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में सुरक्षा बलों ने सीमा पार से घुसपैठ के प्रयास को नाकाम कर दिया। इस दौरान चलाए गए ऑपरेशन में दो आंतकियों को मार गिराया। सेना के चिनार कॉर्प्स ने एक्स पर इसकी जानकारी दी। सुरक्षा बलों का इलाके में तलाशी अभियान जारी है। सेना के चिनार कॉर्प्स के अनुसार भारतीय सेना को शुक्रवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार से घुसपैठ के प्रयास के बारे में विशिष्ट खुफिया जानकारी मिली। इसके बाद सुरक्षा बलों ने कुपवाड़ा जिले के केरल सेक्टर में एक संयुक्त अभियान शुरू किया। इस दौरान सतर्क जवानों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और उन्हें चुनौती दी, जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की और

आतंकवादियों को घेर लिया। इस दौरान गोलीबारी में दो आतंकी मारे गए। आतंकियों की पहचान नहीं हो पायी है। फिलहाल इलाके में सुरक्षा बलों का सर्च ऑपरेशन जारी है। ऑपरेशन जारी है और विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। इससे पहले 5 नवंबर को जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के छत्रू इलाके में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। अधिकारियों के अनुसार आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद भारतीय सेना की सहायता से जम्मू-कश्मीर पुलिस ने छत्रू इलाके में एक संयुक्त अभियान शुरू किया था। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हुई। यह समन्वित तलाशी अभियान सुबह-सुबह शुरू किया गया था, जिसके बाद सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू हो गई।

माली में भीषण संकट : अलकायदा-आईएसआईएस ने किया 5 भारतीयों का अपहरण,देश में हड़कंप

एजेंसी

माली : पश्चिमी अफ्रीकी देश माली में जिहादियों का आतंक एक बार फिर चरम सीमा पर पहुंच गया है। अल-कायदा और आईएसआईएस जैसे आतंकी संगठन यहां आए दिन दहशत का मौहाल बना कर रखते है। वहीं बीते दिन गुरुवार को एक हथियारबंद आतंकी ने 5 भारतीयों का अपहरण कर लिया है। जो इलेक्ट्रिफिकेशन करने वाली एक कंपनी में तैनात थे। माली के

सुरक्षाबलों के मुताबिक कंपनी के शेष स्टाफ को एक बामाको में शिफ्ट किया गया है। वहीं सुरक्षाबल इस मामले में जांच भी कर रहा है। दूसरी तरफ किसी भी आतंकी संगठन ने इस मामले में कोई जिम्मेवारी नहीं ली है।

आपको बता दें कि माली में फिलहाल सेना का ही शासन है। अल-कायदा और आईएसआईएस की वजह से यहां आतंकी घटनाएं हुआ करती हैं। माली इस समय आर्थिक संकट से जूझ रहा है। कट्टरपंथी इस्लामिक संगठनों और आतंकियों ने यहां फ्यूल ब्लॉकेड लगा दिया है। माली में विदेशों को टारगेट करना आम बात है। अकसर कट्टरपंथी संगठन विदेशियों की हत्या कर देते हैं या फिर उनका अपहरण कर लेते हैं। 2012 में यहां तख्तापलट हुआ था और इसके बाद से ही कभी शांति नहीं रही। बीते महीने ही आतंकियों ने दो अमीराती और एक ईरानी नागरिक को किडनैप कर लिया था। 5 करोड़ डॉलर की फिरौती के बाद उन्हें छोड़ा गया था। माली में अकसर आतंकी और जिहादी समूह फिरौती के लिए लोगों को अगवा करते हैं। वे विदेशी इंजीनियरों और कर्मचारियों को निशाना बनाते हैं और फिर कंपनी से मोटी रकम की मांग करते है।

सहारनपुर में सियासी सनसनी : सोते वक्त बीजेपी नेता को मारी गोली, घर में मचा हड़कंप

एजेंसी

सहारनपुर : उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एक दर्दनाक वारदात ने इलाके में सनसनी फैला दी है। यहां अज्ञात बदमाशों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्थानीय नेता की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना उस समय हुई जब नेता अपने घर में सो रहे थे। सुबह परिजनों ने खून से लथपथ शव देखा तो इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान भाजपा नेता मनोज चौधरी (45) के रूप में हुई है, जो थाना नकुड़ क्षेत्र के रहने वाले थे। जानकारी के अनुसार, देर रात कुछ अज्ञात हमलावर दीवार फांदकर उनके घर में घुसे और सोते समय उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोलियों की आवाज सुनकर परिवार के सदस्य जब कमरे की ओर दौड़े, तब तक हमलावर फरार हो चुके थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने मौके से कई खोखे बरामद किए हैं और इलाके की सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। प्राथमिक जांच में पुरानी रंजिश की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस सभी एंगल से मामले की जांच कर रही है। बीजेपी नेताओं और स्थानीय लोगों ने इस हत्या पर गहरा रोष जताया है और दोषियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। मृतक के परिजनों का कहना है कि मनोज चौधरी का किसी से कोई झगड़ा नहीं था और यह हत्या किसी साजिश के तहत की गई है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

न्यूज IN ब्रीफ

झाड़-फूंक के नाम पर बलात्कार का मामला आया सामने

चतरा पुलिस ने एक अधेड़ समेत दो आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

चतरा : जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत जिला मुख्यालय के बारीक लॉज में तीन दिन पहले एक तलाकशुदा महिला ने झाड़-फूंक के नाम पर बलात्कार और छेड़छाड़ का आरोप लगाया हैं। पीड़िता ने बताया कि दो आरोपियों ने झाड़-फूंक का झांसा देकर उससे दुष्कर्म तथा छेड़छाड़ की घटना को अंजाम दिया। आरोपियों में आलम उर्फ आलमगीर (45 वर्ष) और मो ईशा (65 वर्ष) हजारीबाग जिले के चौपारण थाना अंतर्गत चईकला का निवासी हैं।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया और दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया। इस घटना ने क्षेत्र में भय और चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। पुलिस ने कहा है कि संवेदनशीलता के साथ मामले की जांच की जा रही है और दोषियों को कठोर से कठोर सजा दी जाएगी।यह मामला झाड़-फूंक जैसे अंधविश्वास और गैरकानूनी प्रथाओं के दौरान महिलाओं को होने वाले यौन अपराध का एक उदहारण है, जो समाज में सुधार की तत्काल जरूरत को दशार्ता है। प्रशासन ने तेजी से कार्रवाई करते हुए पीड़िता को न्याय दिलाने का भरोसा दिया है।

चतरा में आदिवासी एकता मंच के आह्वान पर आदिवासी एकता सह आक्रोश महारैली

चतरा : आदिवासी एकता मंच के आह्वान पर शुक्रवार को आदिवासी एकता सह आक्रोश महारैली निकाली गई। यह रैली सदर प्रखंड कार्यालय स्थित नीलांबर-पीतांबर मैदान से शुरू हुई और पोस्ट ऑफिस, गुदरी बाजार, केशरी चौक, जतराहीबाग होते हुए समाहरणालय पहुंची, जहां उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा गया।इस रैली का उद्देश्य कुड़मी जाति को आदिवासी सूची में शामिल करने की मांग का विरोध करना है। आदिवासी एकता मंच के नेताओं का कहना है कि यह मांग असंवैधानिक है और

आदिवासियों के अधिकारों पर हमला है। यह रैली आदिवासी एकता और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

आदिवासी एकता सह आक्रोश महारैली

चतराः आदिवासी एकता मंच के आह्वान पर शुक्रवार को आदिवासी एकता सह आक्रोश महारैली निकाली गई। यह रैली सदर प्रखंड कार्यालय स्थित नीलांबर-पीतांबर मैदान से शुरू हुई और पोस्ट ऑफिस, गुदरी बाजार, केशरी चौक, जतराहीबाग होते हुए समाहरणालय पहुंची, जहां उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा गया।इस रैली का उद्देश्य कुड़मी जाति को आदिवासी सूची में शामिल करने की मांग का विरोध करना है। आदिवासी एकता मंच के नेताओं का कहना है कि यह मांग असंवैधानिक है और आदिवासियों के अधिकारों पर हमला है। यह रैली आदिवासी एकता और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

टीसीआई की बैठक में मुंडारी फिल्म व नई फिल्म नीति पर हुई चर्चा

रांची : ट्राइबल सिनेमा ऑफ इंडिया (टीसीआई) की कार्यकारिणी समिति की बैठक शुक्रवार को करमटोली स्थित मंडी एड़पा में आयोजित हुई। बैठक में लेखक वाल्टर भेंगरा की लिखित मुंडारी फिल्म जंगल की ललकार पर चर्चा हुई। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस फिल्म का प्रोडक्शन जनवरी 2026 से शुरू किया जाएगा। आदिवासी फिल्मकारों के हित में बनी नई फिल्म नीति पर चर्चाः टीसीआई झारखंड फिल्म नीति का 15 दिसंबर तक समीक्षा करेगा और नई नीति तैयार करने का निर्णय लिया है। समिति ने कहा कि नई फिल्म नीति झारखंडी और आदिवासी फिल्मकारों के हित में बनाई जाएगी। इसके लिए टीसीआई राज्य स्तर पर जागरूकता और संवाद अभियान भी चलाएगा।

वर्कशॉप अभियान की होगी शुरूआतः बैठक में यह तय किया गया कि टीसीआई के सहयोग से आदिवासी विषयों पर बनने वाली फिल्मों की कम्युनिटी स्क्रीनिंग की जाएगी। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माण, कलाकारों व तकनीशियनों का डाटाबेस तैयार करने, टीसीआई संविधान निर्माण और स्क्रिप्ट राइटिंग वर्कशॉप जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

मौके पर टीसीआई अध्यक्ष बिजू टोप्पो, मोनिका मुंडू, तेज मुंडू, आकृति लकड़ा, दीपक बाड़ा, जेनिफर बाखला, सुरेंद्र कुजूर, स्वेता गुड़िया, जयंत दोराईबुरु, सौरभ मुंडा और अनामिका टोप्पो सहित कई आदिवासी फिल्मकार समेत अन्य शामिल थे।

सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम संभव है : डा. भव्या

धनबाद : झरिया प्रतिनिधि राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस पर मारवाड़ी युवा मंच झरिया शाखा ने असर्फी हॉस्पिटल धनबाद के सहयोग से शुक्रवार को किड्स गार्डन सेकेंडरी स्कूल में कैंसर अवेयरनेस व निःशुल्क हेल्थ चेकअप कैंप लगाया। मुख्य अतिथि विद्यालय की प्राचार्या डॉ. स्नेहलता थीं। इस दौरान असर्फी हॉस्पिटल की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. भाव्या गायत्री ने महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर के कारण, लक्षण और बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सर्वाइकल कैंसर एक ऐसा कैंसर है, इसकी रोकथाम संभव है। डॉ. भाव्या ने बताया कि ह्यूमन पैपिलोमा वायरस संक्रमण इस कैंसर का प्रमुख कारण है। वैक्सीनेशन से इसके प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

उन्होंने सभी विद्यार्थियों व महिलाओं को पैप स्मीयर टेस्ट व नियमित स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी। शिविर में डॉ. जफर राशिद ने लोगों की सामान्य स्वास्थ्य जांच की। शिविर में मंच अध्यक्ष डॉ. मनीष शर्मा, कार्यक्रम संयोजक नीरज अग्रवाल, सन्नी अग्रवाल व मयंक केजरीवाल, पूनम भुसानिया, असर्फी हॉस्पिटल की ओर से रेणु सिंह, विवेक, मुकेश, विद्यालय की ओर से टीचर इंचार्ज असित बनर्जी, कविता सिंह, संतोष श्रीवास्तव, संचिता श्रीवास्तव आदि मौजूद थे।

धूमधाम से मनाई जाएगी भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती

उलिहातू और खूंटी में होंगे कई राजकीय कार्यक्रम, तैयारियां में जुटा प्रशासन

संवाददाता

खूंटी : झारखंड स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ और भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर जिला स्तर पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं 18 नवंबर से 15 दिसंबर 2025 तक 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत शिविरों के आयोजन संबंधित तैयारियों को लेकर समाहरणालय सभागार में डीसी आर। रॉनिटा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

सब कार्यक्रम सुव्यवस्थित, आकर्षक एवं सफल ढंग से आयोजित होंः डीसी आर। रॉनिटा

डीसी ने कहा कि 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती और झारखंड स्थापना दिवस के 25 वर्ष पूर्ण होने का यह विशेष अवसर राज्य और जिले के गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि इस अवसर पर आयोजित सभी कार्यक्रम सुव्यवस्थित, आकर्षक एवं सफल ढंग से आयोजित हों। उन्होंने सभी विभागीय पदाधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन सक्रियता एवं जिम्मेदारी के साथ करने का निर्देश दिया।

11 नवंबर से कार्यक्रमों की होगी शुरूआतः डीसी

डीसी ने कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए बताया कि 11 नवंबर से ही कार्यक्रमों की शुरूआत होगी। इस दौरान 'रन फॉर झारखंड', प्रचार वाहन के माध्यम से कार्यक्रमों की जानकारी एवं सांस्कृतिक प्रस्तुति, विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं, निबंध लेखन, चित्रांकन, क्विज प्रतियोगिताएं, पर्यटन स्थलों तक साइकिल रैली, ट्रेकिंग जैसे विविध कार्यक्रम प्रतिदिन आयोजित किए जाएंगे।

इस वर्ष 15 नवंबर को उलिहातू, खूंटी में आयोजित होने वाले कार्यक्रम को राजकीय बिरसा महोत्सव के रूप में भव्य तरीके से मनाया जाएगा। वहीं 15 नवंबर को ही कचहरी मैदान में विकास मेले का भी आयोजन किया जाएगा। डीसी ने सभी संबंधित विभागों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि उक्त सभी कार्यक्रमों के सफल आयोजन हेतु आवश्यक तैयारी सुनिश्चित की जाए।

आमजनों की समस्याओं का समाधान किया जाएगाः वहीं 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम पर चर्चा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि 18 नवंबर से 15 दिसंबर तक विभिन्न प्रखंड अंतर्गत पंचायतों में शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर आमजनों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं योग्य लाभुकों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जाएगा।

आयोजित होने वाले शिविरों के प्रभावी आयोजन को लेकर सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी को निर्देशित किया गया, जिससे आमजनों की समस्याओं का समाधान पूरी तत्परता के साथ पंचायत स्तर पर ही सुनिश्चित किया जा सके।

विभिन्न विभागों के पदाधिकारी रहे मौजूदः बैठक में मुख्य रूप से डीडीसी आलोक कुमार, परियोजना निदेशक आईटीडीए आलोक शिकारी कच्छप, अपर समाहर्ता परमेश्वर मुंडा, डीसीएलआर, डीपीआरओ, डीसीएलआर, जिला खेल एवं पर्यटन पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, समेत अन्य विभागों के पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी समेत अन्य उपस्थित थे।

घाटशिला उपचुनाव : कई मुख्यमंत्रियों की हेमंत-कल्पना की जोड़ी से टक्कर

प्रचार प्रसार के दौरान दोनों पार्टियां झोंक रही पूरी ताकत

संवाददाता

रांची : घाटशिला विधानसभा सीट पर 11 नवंबर को मतदान है। सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा। मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी। वहीं, बीजेपी और झामुमो दोनों ही पार्टियों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।

झामुमो को सता रहा हार का डरः प्रचार प्रसार के दौरान दोनों ही पार्टियों के नेता एक-दूसरे पर हमला बोल रही हैं। जहां एक तरफ बीजेपी से कई मुख्यमंत्री प्रचार प्रसार कर रहे हैं तो वहीं, दूसरी ओर झामुमो से सीएम हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन प्रचार प्रसार कर रहे हैं। वहीं, बीजेपी प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा को घाटशिला से हार का डर सता रहा है, क्योंकि मुख्यमंत्री ने कहा था कि घाटशिला उपचुनाव में हमें प्रचार की भी आवश्यकता नहीं है, फिर ऐसा क्यों है? झारखंड मुक्ति मोर्चा के एक-एक विधायक एक-एक मंत्री वही पर कैंप कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन घाटशिला में ज्यादा समय दे रहे हैं। इस बार घाटशिला में परिवर्तन की हवा बहेगी, जो तूफान में तब्दील होकर आपकी सत्ता को उखाड़ ले जाएगी।

बीजेपी के तमाम लोग नकारे हैंः वहीं, झारखंड कांग्रेस प्रवक्ता राकेश सिन्हा ने कहा कि घाटशिला की जनता ने बीजेपी को कह दिया है कि हमारे अंगने में उनका कोई काम नहीं। झारखंड के पांच पूर्व मुख्यमंत्री में दम नहीं है, इसीलिए बाहरी मुख्यमंत्री को भी बुलाया जा रहा है और ऐसा इसीलिए है, क्योंकि बीजेपी के तमाम लोग नकारे हैं।

जयपाल जुलियस हन्ना साहित्य पुरस्कार समारोह कल

संवददाता

रांची : चौथा जयपाल-जुलियस-हन्ना साहित्य पुरस्कार समारोह और बहुभाषाई आदिवासी-देशज काव्यपाठ नौ नवंबर को होगा। यह आयोजन प्यारा केरकेट्टा फाउंडेशन के तत्वावधान में टीआरआई, रांची के सभागार में होगा। इस एक दिवसीय राष्ट्रीय साहित्यिक समारोह का उदघाटन दिल्ली विश्वविद्यालय की हिंदी की वरिष्ठ प्राध्यापक और किन्नौरी आदिवासी साहित्यकार डॉ स्नेहलता नेगी करेंगी।

प्यारा केरकेट्टा फाउंडेशन के मीडिया प्रभारी कृष्णमोहन सिंह मुंडा और झारखंडी अखड़ा की महासचिव वंदना टेटे ने कहा कि यह कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित होगा। पहले सत्र में आदिवासी साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले तीन लेखकों को जयपाल-जुलियस-हन्ना साहित्य पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा। इस वर्ष अरुणाचल प्रदेश के सोनी रूमछु को कविता संग्रह ह्यवह केवल पेड़ नहीं थाह्ल के लिए, झारखंड के हो समुदाय काशाराय कुदादा को वारंगक्षिति लिपि में निबंध संग्रह दुपुब दिषुम के लिए और झारखंड के ही मनोज मुर्मू को कविता संग्रह मानवा जियोऩ के लिए सम्मानित किया जायेगा। दूसरे सत्र में झारखंड की बिरजिया, असुर, मुंडारी, माल पहाड़िया, भूमिज, संताली, हो, खड़िया, कुड़ुख, नागपुरी-सादरी, पंचपरगनिया, कुड़मालि और खोरठा भाषाओं के कवि अपनी कविताओं का पाठ करेंगे। फाउंडेशन ने यह पुरस्कार वर्ष 2022 से शुरू किया था। इसका उद्देश्य आदिवासी साहित्य और रचनाकारों को प्रोत्साहित करना है। यह आयोजन झारखंडी भाषा साहित्य संस्कृति अखड़ा और टाटा स्टील फाउंडेशन के सहयोग से किया जा रहा है।

डीसी ने जनता दरबार में सुनी समस्याएं

चतराः उपायुक्त कीर्तिश्री ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार के माध्यम से जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए आमजनों की समस्याएँ सुनीं। इस अवसर पर भूमि विवाद, आवास, सड़क, स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी शिकायतें, शिक्षा विभाग से संबंधित विषयों समेत अन्य मामलों को लोगों ने उपायुक्त के समक्ष रखा।उपायुक्त ने उपस्थित अधिकारियों को संबंधित प्रकरणों का त्वरित एवं निष्पक्ष निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को पूर्वाह्न 11:30 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक समाहरणालय में नियमित रूप से जनता दरबार का आयोजन किया जाता है। इस दौरान आमजन अपनी समस्याएँ सीधे जिला प्रशासन के समक्ष रख सकते हैं।

12 से 28 तक राज्य में चलाया जाएगा रक्तदान शिविर कैंपेन

संवाददाता

रांचीः 15 नवंबर को झारखंड में स्थापना दिवस मनाया जाएगा। वहीं, इस दौरान पूरे राज्य में 12 नवंबर से 28 नवंबर तक रक्तदान शिविर कैंपेन चलाया जाएगा। सभी जिलों में विभिन्न स्थानों पर एक विशेष कैंप लगाकर लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग की विशेष सचिव नेहा अरोड़ा ने कहा कि इस वर्ष झारखंड राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। राज्य सरकार ने इस

स्थापना दिवस को भव्य, आकर्षक और यादगार बनाने का निर्णय लिया है। इसी के मद्देनजर रक्त दान जैसे पवित्र कार्य भी आयोजित होंगे। इस दौरान पूरे राज्य में 12 नवंबर से 28 नवंबर तक रक्तदान शिविर कैंपेन चलाया जाएगा जिसके तहत सभी जिलों में विभिन्न स्थानों पर एक विशेष कैंप लगाकर लोगों को स्वैच्छिक रक्त दान के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।नेहा अरोड़ा ने सभी सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि ब्लड डोनेशन कैंप का एक कैलेंडर तैयार करें। उपायुक्त से मिलकर रक्त दान शिविर कैंपेन प्रोग्राम की जानकारी साझा करें। 12 नवंबर से शुरू हो रहे रक्त दान शिविर कैम्प में सांसद, विधायक, जिला परिषद के अध्यक्ष, उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक का सहयोग लें और इन्हें रक्त दान करने हेतु आमंत्रित करें। इससे समाज में एक सकारात्मक संदेश जाएगा और अधिक से अधिक लोग रक्त दान करने आगे आयेंगे।

सीसीएल में महिला कर्मियों को किया गया सम्मानित

संवाददाता

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड में सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत बीते 215 महीनों से सतर्कता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज से सीसीएल मुख्यालय में दो दिवसीय भव्य सतर्कता महोत्सव-2025 का शुभारंभ किया गया, जिसमें सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक निलेंदु कुमार सिंह, निदेशक वित्त पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (तकनीकी/संचालन) चंद्र शेखर तिवारी तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी पवन कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7 नवंबर 2025 को राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वर्षभर चलने वाले राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव का शुभारंभ नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर उन्होंने स्मारक डाक टिकट और स्मारक सिक्का जारी किया। समारोह के दौरान सीसीएल मुख्यालय सहित सभी क्षेत्रों में बड़ी संख्या में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने वंदे मातरम के पूर्ण संस्करण का सामूहिक गायन किया। इस वर्षभर चलने वाले आयोजन का उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम को प्रेरणा देने वाले गीत वंदे मातरम के महत्व को नई पीढ़ी तक पहुंचाना था।

वहीं, कार्यक्रम की शुरूआत, कोल इंडिया के कॉर्पोरेट गीत के साथ हुई, जिसके बाद सीमीडी, निदेशकगण तथा सीवीओ ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्य निष्ठा के साथ कार्य करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर विजिलेंस मार्च और बैलून रिलीज कर सतर्कता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया गया। साथ ही सीएमडी, निदेशकगण तथा सीवीओ के द्वारा लाइव पेंटिंग वर्कशॉप का उद्घाटन किया गया, जिसमें विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों ने सतर्कता : हमारी साझा जिम्मेदारी विषय पर अपनी कलात्मक अभिव्यक्ति प्रस्तुत की।

इस अवसर पर सीएमडी सीसीएल निलेंदु कुमार सिंह ने कहा कि हम पिछले ढाई महीनों से सतर्कता अभियान को पूरे धैर्य और लगन के साथ मना रहे हैं। पारदर्शिता कार्य संस्कृति का मूल तत्व है। हमें हिम्मत और संयम रखते हुए अपने कार्यों को पूर्ण निष्ठा से करना चाहिए। और सबसे महत्वपूर्ण आम समझ को कभी नहीं छोड़ना चाहिए।ह्लवहीं, सीवीओ पंकज कुमार ने कहा कि सतर्कता केवल कार्रवाई नहीं, बल्कि एक रोकथाम की प्रक्रिया है। सावधानी और जागरूकता ही भ्रष्टाचार से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। सीसीएल परिवार में इस भावना को बढ़ावा देना हम सबकी जिम्मेदारी है।ष्आयोजित कार्यक्रम में लाइव पेंटिंग वर्कशॉप के अलावा रंगोली प्रतियोगिता, स्ट्रीट पेंटिंग एवं पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूल, कॉलेज तथा विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे सतर्कता जागरूकता को रचनात्मक रूप से बढ़ावा मिला।

अवसर विशेष पर आयोजित नारी शक्ति वंदन अर्पिता महिला मंडल की अध्यक्ष प्रीति सिंह के नेतृत्व में मंडल की सदस्याओं ने आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का अवलोकन किया तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

स्थापना दिवस का शांतिपूर्ण और सुरक्षित आयोजन सुनिश्चित करना प्राथमिकता: डीजीपी

संवाददाता

रांची: वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी तदाशा मिश्रा (आईपीएस 1994 बैच) ने बीते शुक्रवार को प्रभारी डीजीपी का पदभार ग्रहण कर लिया है। पदभार संभालने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शिष्टाचार भी मुलाकात की।

पदभार ग्रहण करने के बाद डीजीपी तदाशा मिश्रा ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता आगामी 15 नवंबर को होने वाले राज्य स्थापना दिवस का शांतिपूर्ण और सुरक्षित आयोजन सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने कहा, मैंने अभी हाल ही में पदभार संभाला है और पुलिस कार्य में टीमवर्क का बहुत महत्व है। मुझे टीम के रूप में काम करने का अनुभव है और मैं अपने साथियों के साथ मिलकर सरकार के विजन को साकार करने का प्रयास करूंगी। मिश्रा ने अपनी प्राथमिकताओं में बेसिक और कोर पुलिसिंग पर विशेष ध्यान देने की बात कही। डीजीपी तदाशा मिश्रा ने बताया कि संगठित अपराध, नशा तस्करी तथा माओवाद के विरुद्ध चल रही कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। उनका मानना है कि इन समस्याओं के खिलाफ ठोस और कारगर कदम उठाए जाने चाहिए ताकि राज्य में कानून व्यवस्था मजबूत हो।

यूपीएससी ने आईएफएस मेन्स परीक्षा का एडमिट कार्ड किया जारी

रांची : यूपीएससी ने भारतीय वन सेवा (आईएफएस) मेन्य परीक्षा 2025 का एडमिट कार्ड जारी कर दिया है। उम्मीदवार आयोग की ऑफिशियल बेवसाइट पर लॉगिन कर अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। यूपीएससी की इस भर्ती परीक्षा का आयोजन 23 नवंबर 2025 से किया जाएगा। उम्मीदवार अपने एनरोलमेंट नंबर, रजिस्ट्रेशन नंबर या जन्म तिथि की सहायता से एडमिट कार्ड प्राप्त कर सकते हैं। उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे परीक्षा केंद्र, समय और निदेर्शों की पूरी जानकारी अपने एडमिट कार्ड पर ध्यानपूर्वक पढ़ें।

जल्द मिलेगी मंईयां सम्मान योजना के नवंबर की राशि, तैयारियां पूरी

संवाददाता

रांची: मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों के लिए खुशखबरी सामने आई है। नवंबर महीने की राशि जल्द ही लाभुकों के खातों में भेजी जाएगी। इसके लिए अलग-अलग जिलों में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पूर्वी सिंहभूम जिले में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों के खाते में जल्द ही नवंबर माह की राशि भेजी जाएगी। इसकी कागजी प्रक्रिया लगभग पूरी कर ली गई है। और उम्मीद है कि अगले तीन दिनों में सभी लाभुकों के खाते में राशि भेज दी जाएगी। इस योजना के तहत 2500 हर माह हर लाभुक के खाते में भेजे जाते हैं। पूर्वी सिंहभूम जिले में इस योजना के करीब 2,80,000 लाभुक हैं।

सामाजिक सुरक्षा की सहायक निदेशक नेहा संजना खलखो ने बताया कि राशि भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। इसलिए खाते में राशि जाने में अधिक वक्त नहीं लगेगा। उल्लेखनीय है कि इस योजना के जिले में तीन लाख सात हजार आवेदक थे। हालांकि विभिन्न कारणों से स्वीकृत आवेदकों की संख्या दो लाख 80 से 85 हजार ही है। वैसे 11 नवंबर को घाटशिला विधान सभा उप चुनाव के तहत मतदान है।

तकनीकी कारणों से भी बहुत से लाभुकों के खाते में गड़बड़ी होने की वजह से उनका भुगतान नहीं हो पाता है। हर महीने ऐसे हजारों मामले सामने आते हैं। इनमें नन डीबीटी, आधार मिसमैच जैसी समस्याएं होती है। दूसरी ओर, सर्वजन पेंशन की राशि भी लाभुकों के खाते में भेज दी गई है। सिर्फ केन्द्रीय पेंशन योजना मद में कोई आवंटन नहीं होने से भुगतान लंबित हो गया है।

कृषि मंत्री ने ग्रामीणों को दिया मुआवजा राशि का चेक

संवाददाता

बेड़ो: जंगलों को बचाना मानव का परम कर्तव्य है। जंगल पर्यावरण का मूल आधार है। जल, जंगल और जमीन का अन्योन्याश्रय संबंध है। जंगलों से ही हमें प्राण वायु मिलती है। जंगलों के बिना मानव जीवन की कल्पना व्यर्थ है। उक्त बातें राज्य के कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने वन प्रमंडल के तत्वावधान में शुक्रवार को वनरोपण प्रक्षेत्र बेड़ो के प्रांगण में आयोजित जंगली जानवरों से हुए फसल व मकान क्षति का मुआवजा वितरण सह पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप जलाकर किया। मंत्री ने बेड़ो, इटकी व लापुंग प्रखंड के गांवों में जंगली हाथियों द्वारा क्षतिग्रस्त फसल व मकान के 269 ग्रामीणों के बीच 21 लाख 12 हजार 860 रुपये के मुआवजा का चेक लाभुकों के बीच वितरण किया। उन्होंने वन समिति के अध्यक्षों के बीच हाथी प्रभावित क्षेत्रों में पटाखा व टार्च का वितरण किया। वहीं वन प्रमंडल पदाधिकारी श्रीकांत वर्मा ने कहा कि जंगली पशुओं से होनेवाले फसल, घर, जान-माल व पशु के नुकसान का क्षतिपूर्ति का भुगतान राज्य के 25वां स्थापना दिवस के पूर्व करने की बात कही। संचालन नगड़ी प्रभारी वनपाल राहुल महली ने किया। मौके पर उपप्रमुख मोददसिर हक, वन क्षेत्र पदाधिकारी गायत्री देवी, नवल किशोर सिंह, रमेश उरांव, देवनिश तिग्गा, पंचू उरांव, रशीद मीर, शंभु बैठा, संतोष तिर्की, सोमरा लोहरा मौजूद थे।

राज्य स्थापना दिवस पर झारखंड चेंबर करेगा जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन

संवाददाता

रांची : राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा समाज और जनकल्याण से जुड़ी कई गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

इन कार्यक्रमों में साइक्लोथॉन, ब्लड डोनेशन कैंप, हेल्थ चेकअप कैंप, पौधरोपण अभियान और शहर में होर्डिंग्स का प्रदर्शन शामिल हैं। इन सभी का उद्देश्य राज्य में स्वास्थ्य, पर्यावरण और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता फैलाना है।

चेंबर के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि 15 नवंबर को झारखंड अपनी रजत जयंती वर्षगांठ मना रहा है, जो सभी के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि अगले 25 वर्षों में राज्य को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।

महासचिव रोहित अग्रवाल ने बताया कि रजत जयंती वर्ष के तहत चैंबर कई सामाजिक और स्वास्थ्य से जुड़ी गतिविधियों की श्रृंखला आयोजित करेगा। उन्होंने कहा कि व्यापारिक वर्ग इस उत्सव को सेवा और जनकल्याण के रूप में मना रहा है। लाइफ सेवर्स संस्था के अतुल गेरा ने बताया कि 9 नवंबर को चैंबर भवन में रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें सदर अस्पताल की टीम मौजूद रहेगी। वहीं, स्पोर्ट्स उप समिति के चेयरमैन गौतम शाही ने बताया कि 16 नवंबर को साइक्लोथॉन का आयोजन होगा, जो 10, 25 और 50 किलोमीटर की दूरी के लिए रखा गया है। विजेताओं को मेडल प्रदान किए जाएंगे। किशन अग्रवाल ने बताया कि पौधरोपण अभियान के तहत शहर में पौधे लगाए जाएंगे। चैंबर के पूर्व अध्यक्ष किशोर मंत्री ने कहा कि राज्य के सभी छह प्रमंडलों में भी इन कार्यक्रमों को आयोजित किया जाएगा।

कार्यकारिणी सदस्य तुलसी पटेल ने बताया कि झारखंड और छत्तीसगढ़ दोनों ही राज्य इस वर्ष अपनी रजत जयंती मना रहे हैं। व्यापारी समाज दोनों राज्यों की आर्थिक प्रगति में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

जेपीएससी ने जेट 2024 आवेदन की अंतिम तिथि 1 दिसंबर तक बढ़ाई

संवाददाता

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग ने झारखंड पात्रता परीक्षा (जेट) 2024 के ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब अभ्यर्थी जेपीएससी की अधिकारिक वेबसाइट पर 1 दिसंबर 2025 की रात 11:45 बजे तक आवेदन कर सकेंगे।

मुख्य तिथियां

- ✔ ऑनलाइन आवेदन की अंतिम 1 दिसंबर 2025 की रात 11:45 बजे तक है।
- ✔ परीक्षा शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि 2 दिसंबर 2025 शाम 5:00 बजे तक होगी।
- ✔ आवेदन में सुधार 3 दिसंबर से 5 दिसंबर 2025 तक कर सकेंगे।
- ✔ जिन अभ्यर्थियों ने पहले ही आवेदन कर दिया है, वे निर्धारित समयावधि में अपने विषय या अन्य विवरणों में सुधार कर सकते हैं।

झारखंड गवर्नमेंट टूल रूम, टाटीसिलवे में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

संवाददाता

रांची: झारखंड गवर्नमेंट टूल रूम, टाटीसिलवे में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। नौवीं से 12वीं के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी शामिल हुए। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक नीलन इलिन टोप्पो थी। कहा कि आज के समय में तकनीकी रूप से सशक्त होना हर व्यक्ति के लिए अनिवार्य हो गया है। ज्यूरी सदस्यों के निर्णय के अनुसार टॉप थ्री प्रोजेक्ट चुने गये। प्रथम पुरस्कार नवरीन परवीन, द्वितीय पुरस्कार- एसएस-2 हाई स्कूल चिलदाग, अनगड़ा के अविनाश मुंडा व प्रिंस प्रमाणिक ने जीता। वहीं, तृतीय पुरस्कार हंसराज बदवा-दो हाई स्कूल नामकुम के आदर्श कुमार महतो व नितेश सिन्हा ने जीता। मौके पर टूल रूम के प्राचार्य महेश कुमार गुप्ता, जूरी मेंबर्स में डॉ दिलीप रावणी, हंसराज भारद्वाज आदि उपस्थित थे। संचालन ट्रेनिंग इंचार्ज मंगल टोप्पो ने किया।

एआई-संचालित कोक बडी से किराना दुकानों का कामकाज हुआ स्मार्ट

रांची: देशभर के पारंपरिक किराना स्टोर्स अब डिजिटल हो रहे हैं। कोका-कोला इंडिया का मोबाइल ऐप कोक बडी दुकानदारों को ऑर्डर देने, डिलीवरी ट्रैक करने और ऑफर्स देखने जैसी सुविधाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध करा रहा है। यह एआई-संचालित ऐप दुकानदारों की पिछली खरीद और मौसमी मांग के आधार पर उत्पादों की सिफारिश करता है, जिससे कारोबार अधिक संगठित और पारदर्शी हो गया है। अब तक 10 लाख से अधिक रिटेलर्स इस ऐप से जुड़ चुके हैं। झारखंड के कई दुकानदारों का कहना है कि कोक बडी से कारोबार में समय की बचत और सुविधा दोनों बढ़ी हैं। कोका-कोला इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट अंबुज देव सिंह ने कहा कि डिजिटल सशक्तिकरण रिटेल सेक्टर की तरक्की की कुंजी बन रहा है और कोक बडी इसी दिशा में एक अहम कदम है।

MINOR IRRIGATION DIVISION, RANCHI.

e-Procurement Notice

e-Tender Reference No. WRD/MID/RANCHI F_2 - 25/2025-26

1.	Name of the work	**Construction of Single Checkdam on Balari Nadi in Dari Village Block:- Lapung, Dist- Ranchi.**
2.	Estimated Cost	**Rs. 99,15,500.00**
3.	Time of Completion	(11 months)
4.	Date of Publication of E - Tender on website	25.11.2025 at 2.00 pm
5.	Last date/Time for submission of E-Tender BID's	02.12.2025 up to 3:00 pm
6.	Last Date for online Submission of tender fee and EMD	e-Procurement Portal **(jharkhandtenders.gov.in)** 02.12.2025 up to 3:00 pm
7.	Date of Opening Tender	04.12.2025 at 4:00 pm
8.	Name & address of office Inviting tender	Executive Engineer, M.I. Division, Ranchi, Room No. 302, Abhiyantran Bhawan, Kutchery Chowak, Ranchi
a.	Contact no. of e-Procurement officer	0651-3512781
b.	Helpline number of e-Procurement cell	0651-3512781/Email ID- eemidran-cemr-jhr@nic.in

Note :- (1) Only e-Tenders will be accepted.
(2) Published Estimated Cost may be Increase or Decrease

Further details can be seen on website http://jharkhand tenders.gov.in

Executive Engineer,
Minor Irrigation Division,
Ranchi.

PR 365518 Minor Irrigation(25-26)#D

झारखंड स्थापना दिवस की तैयारियों में तत्परता से जुटा रांची नगर निगम

संवाददाता

रांची: झारखंड राज्य के 25 वें स्थापना दिवस के सफल व भव्य आयोजन को लेकर रांची नगर निगम ने पूरी तत्परता से जुटा है। वर्ष 2000 में झारखंड के गठन की परिणति को यादगार बनाने के लिए 15 और 16 नवम्बर को मोरहाबादी मैदान में भव्य स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। स्थापना दिवस से पहले कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे इस अवसर पर सभी तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए अपर प्रशासक संजय कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक की गई। बैठक में अपर प्रशासक ने कहा कि कार्यक्रम की प्रत्येक गतिविधि समय से पूरी हो और किसी प्रकार की असुविधा आमजन को न हो। उन्होंने साफ-सफाई, पथ बत्ती, अतिक्रमण मुक्त पथ, पेयजल, पार्किंग, रंग रोगन, पेड़ो की छंटाई, चलंत शौचालय सहित अन्य व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उप प्रशासक रविंद्र कुमार, गौतम प्रसाद साहू सहित निगम के कई पदाधिकारी और साफ-सफाई कॉरपोरेशन के प्रतिनिधि इस बैठक में मौजूद रहे। राज्य स्थापना दिवस से पहले कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 11 नवंबर कोह्यरन फॉर झारखंड' के जरिए खेल और स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलेगा। 12 नवंबर को रांची के प्रमुख स्थलों पर झारखंड की सांस्कृतिक नृत्यों का आयोजन होगा। मोरहाबादी मैदान में होगा मुख्य आयोजनः अपर प्रशासक ने कहा कि 13 नवंबर को 'नो योर टूरिस्ट प्लेस' कार्यक्रम के तहत पर्यटक स्थलों के प्रति जागरूकता फैलाई जाएगी। 14 नवंबर को वॉल पेंटिंग के जरिए लोगों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित किया जाएगा। मुख्य आयोजन 15 और 16 नवंबर को मोरहाबादी मैदान में होगा, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों और झारखंड की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित किया जाएगा। इस तरह के आयोजन न सिर्फ राज्य के गौरव को बढ़ाएंगे बल्कि लोगों में एकता व भाईचारे की भावना भी उत्साहित करेंगे। नगर निगम ने सुनिश्चित किया है कि सभी व्यवस्थाएं उच्च गुणवत्ता की हो और आमजन के लिए स्वच्छ, संरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण माहौल तैयार किया जाए। झारखंड वासियों को इस बार का स्थापना दिवस उत्साह व उमंग से मनाने का अवसर मिलेगा। बता दें कि झारखंड अपना स्थापना दिवस 15 नवंबर को मनाता है, क्योंकि इसी दिन साल 2000 में बिहार से अलग होकर यह भारत का 28वां राज्य बना था।

कार्यालय : जिला शिक्षा अधीक्षक, खूँटी
नया समाहरणालय भवन, ब्लॉक सी0, चाईबासा रोड, खूँटी–835210

आवश्यक सूचना

निदेशक प्राथमिक शिक्षा झारखण्ड के पत्रांक 2017 दिनांक 03.11.2025 में प्राप्त निदेश एवं प्राप्त सूची के आलोक में झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित झारखण्ड प्रारम्भिक विद्यालय प्रशिक्षित सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 के सफल एवं खूँटी जिला के लिए अनुशंसित इण्टरमीडिएट प्रशिक्षित सहायक आचार्य (कक्षा 1 से 5) के संबंधित अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 10.11.2025 को पूर्वाह्न 10:00 बजे से जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय खूँटी में काउंसिलिंग की प्रक्रिया की जायेगी। अतः संबंधित सभी अभ्यर्थी उपलब्ध कराये गये काउंसिलिंग हेतु जाँच पत्रक के आलोक में अपने शैक्षणिक / प्रशैक्षणिक एवं संबंधित अन्य मूल प्रमाण पत्र तथा इनकी तीन सेट में स्वअभिप्रमाणित छायाप्रति के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

Helpline No- 8051207227, 6207508801

जिला शिक्षा अधीक्षक
खूँटी

PR 365498 District(25-26).D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

प्रदूषण पर वोट बैंक की राजनीति से नरक बनी दिल्ली

किसी भी देश की राजधानी देश के आतंरिक हालात का मापदंड हो सकती है। राजधानी की हालत देख कर बाकी देश के विकास की तस्वीर का अंदाजा लगाया जा सकता है।राजधानी दिल्ली की सूरत–सीरत से पता लगाया जा सकता है शेष भारत के क्या हालात हैं। यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि हर तरह के प्रदूषण के लिहाज से दिल्ली नरक बन चुकी है। दिल्ली की हवा, पानी–मिट्टी सब प्रदूषित हो चुकी है। प्रदूषण का स्तर भी भयावह हो चुका है। स्विट्जरलैंड की एयर क्वालिटी फर्म आईक्यूएआइआर की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बन गया है। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली की हवा दिवाली के बाद तेजी से खराब हुई। पटाखों का धुआँ, वाहनों के धुएँ, निर्माण कार्य और पराली जलाने से हवा में जहरीले कण घुल गए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक दीपावली पर दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 350 रिकॉर्ड किया गया, जो ह्वबहुत खराबह्न श्रेणी में आता है। दिवाली से पहले सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में सिर्फ ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी थी और समय-सारिणी तय की थी। दिल्ली-एनसीआर के शहरों में पटाखों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश की जमकर धज्जियां उड़ीं। सुप्रीम कोर्ट ने रात आठ बजे से 10 बजे तक ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी, लेकिन लोगों ने आधी रात के बाद तक भी जमकर पटाखे फोड़े, जिसके चलते हवा को दमघोंटू बना दिया। इसे भी पढ़ेंः जानलेवा प्रदूषण, सरकारों की शर्मनाक नाकामी दिल्ली सरकार और प्रदूषण नियंत्रण एजेंसियां अब आपातकालीन कदमों पर विचार कर रही हैं, जिनमें स्कूल बंद करना, निर्माण कार्य रोकना और वाहनों के उपयोग को सीमित करना शामिल हो सकता है। दिल्ली के लोग वायु प्रदूषण के कारण कई बीमारियों से पीड़ित हैं, जिनमें सांस की बीमारियां (अस्थमा, ब्रॉन्काइटिस, निमोनिया), हृदय रोग (हार्ट अटैक, स्ट्रोक), और जोड़ों की समस्याएं (गठिया) शामिल हैं। प्रदूषण से फेफड़ों की कार्यक्षमता में कमी आ रही है और जीवन प्रत्याशा भी कम हो रही है। पहले माना जाता था कि वायु प्रदूषण सिर्फ सांस की बीमारियों का कारण बनता है, लेकिन अब विशेषज्ञों ने यह साफ कर दिया है कि पीएम 2.5 जैसे सूक्ष्म प्रदूषक शरीर के अंदर सूजन पैदा कर-के हड्डियों और जोड़ों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के रीयल-टाइम आंकड़ों से पता चला है पटाखों के कारण दिल्ली के 26 सक्रिय ध्वनि निगरानी केंद्रों में से 23 ने तय सीमा से ज्यादा शोर दर्ज किया, जो पिछले साल 22 केंद्रों और 2023 में 13 केंद्रों से ज्यादा है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के 2022 के आदेश में प्राधिकारों को निर्देश दिया था कि वे ध्वनि प्रदूषण को वायु प्रदूषण के समान मानें तथा यह सुनिश्चित करें कि दोनों पर काबू के लिए उपायों को एक साथ लागू किया जाए। इसके बावजूद इस बार दीपावली पर सबसे तेज पटाखे रात 9 बजे से 11 बजे के बीच फोड़ने की आवाज दर्ज की गई। कई इलाकों में आधी रात के बाद भी उच्च स्तर दर्ज किए गए। शांत क्षेत्र भी तेज आवाज के शिकार हुए। वायु प्रदूषण लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है। लैंसेट की वर्ष 2024 की एक रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में हर साल होने वाली मौतों में से करीब 11.5 प्रतिशत मौतें वायु प्रदूषण की वजह से हो रही हैं। यह स्टडी देश के 10 बड़े शहरों में की गई थी। इसमें पता चला है कि अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई, पुणे, शिमला और वाराणसी में हर साल औसतन 33,000 से ज्यादा मौतें वायु प्रदूषण के कारण होती हैं। दिल्ली की हवा ही नहीं पानी भी प्रदूषित हो चुका है। प्रदूषण नियंत्रण समिति की रिपोर्ट में बताया गया कि यमुना नदी में बैक्टीरिया लेवल 4000 गुना ज्यादा हो गया है। इस बार की रिपोर्ट ने यह साफ कर दिया है कि नदी की हालत साल दर साल गंभीर होती जा रही है। हालांकि फरवरी 2025 में हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में यमुना नदी की सफाई बड़ा मुद्दा बनकर उभरा था। दिल्ली-एनसीआर की मिट्टी लगातार प्रदूषण और शहरीकरण की मार झेलते हुए बंजर होती जा रही है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ सॉइल एंड वॉटर कंजर्वेशन (आईआईएसडब्ल्यूसी), देहरादून की रिपोर्ट में खुलासा किया था कि कई जिलों की जमीन की उर्वरता और गुणवत्ता मान्य स्तर से नीचे गिर चुकी है। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि यदि हालात नहीं सुधरे तो अगले 10 से 15 वर्षों में क्षेत्र का बड़ा हिस्सा कृषि योग्य नहीं रहेगा। रिपोर्ट के अनुसार गाजियाबाद के औद्योगिक इलाकों की मिट्टी में शीशा 180 मिलीग्राम प्रति किलो पाया गया, जबकि सुरक्षित सीमा 50 मिलीग्राम है। मिट्टी का जैविक कार्बन कंटेंट पिछले 15 वर्षों में 0.75 से घटकर 0.45% पर आ गया है। 24 फरवरी 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में अपशिष्ट पृथक्करण की दयनीय स्थिति पर केंद्र और कई राज्य प्राधिकारियों को फटकार लगाई। न्यायालय ने सभी एनसीआर राज्यों को अपशिष्ट प्रबंधन प्रयासों पर हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया और चेतावनी दी कि कार्रवाई न करने पर निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध लग सकता है। सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बावजूद दिल्ली–एनसीआर के हालात सुधरने के बजाए ओर बिगड़ते चले गए। देश की राजधानी को मुस्लिम विदेशी आक्रांतओं ने हर बार लूटा था। आजादी के बाद दिल्ली देश के नीति–नियंताओं लूट–खसौट का शिकार हो चुकी है। दिल्ली किसी भी दृष्टिकोण से जीने लायक नहीं रह गई। नेता और राजनीतिक दलों की वोट बैंक की राजनीति ने दिल्ली को बर्बाद कर दिया है। नेता जब तक क्षुद्र स्वार्थों से हट कर नहीं सोचेंगे तब तक दिल्ली के हालात में सुधार की गुंजाइश नजर नहीं आती।

शिशु सुरक्षा के लिए उठाने होंगे ठोस कदम

असल में पटना से करीब 1100 किलोमीटर दूर जब राहुल गांधी हरियाणा विधानसभा चुनाव में फर्जी वोटिंग के किस्से सुना रहे थे तब ऐसा लग रहा था मानो वो बिहार में महागठबंधन की संभावित हार के लिए पेशबंदी कर रहे हैं। राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों पर भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। चुनाव आयोग ने भी कहा है कि कांग्रेस को डुप्लीकेट मतदाताओं को हटाने के लिए शिकायत दर्ज करवानी चाहिए थी।

रमेश सर्राफ धमोरा

हर साल 07 नवम्बर को शिशुओं के स्वास्थ्य और कल्याण की सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए शिशु सुरक्षा दिवस मनाया जाता है। यह दिवस प्रारंभिक स्वास्थ्य देखभाल, पोषण, टीकाकरण और माता-पिता की शिक्षा को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर को कम करने पर केंद्रित है। दुनिया भर में लाखों शिशु अभी भी संक्रमण, कुपोषण और चिकित्सा सुविधा की कमी जैसे रोकथाम योग्य कारणों से मर जाते हैं। यह दिवस समाज और सरकारों को यह याद दिलाता है कि वे हर बच्चे के जीवन में एक स्वस्थ शुरूआत के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए और अधिक ठोस कदम उठाएँ। भारत और कई अन्य देशों में शिशु संरक्षण दिवस मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी पहलों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। जननी सुरक्षा योजना और पोषण अभियान जैसे कार्यक्रम शिशुओं की प्रारंभिक देखभाल में सुधार के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। यह दिवस माता-पिता को स्वस्थ विकास सुनिश्चित करने के लिए उचित आहार, स्वच्छता और टीकाकरण के नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करता है। नवजात शिशुओं की उचित सुरक्षा ना हो पाने के कारण दुनिया में बहुत सारे बच्चे मौत के आगोश में चले जाते है। हालांकि सरकार ने इसे रोकने कि दिशा में सार्थक प्रयास किये है। जिनकी बदौलत देश में शिशु मृत्यु दर में कमी आयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया के अनुसार देश 2030 तक सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) प्राप्त करने की दिशा में बढ़ रहा है। भारत में नवजात बच्चों की मौतों के मामलों में सरकार के लिए बीते 77 साल बड़ी चुनौती भरे रहे हैं। हालांकि इसमें लगातार कमी आ रही है। देश में शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) और शिशु जन्म दर में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। 2023 की नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) रिपोर्ट के मुताबिक देश में शिशु मृत्यु दर न्यूनतम 25 पर आ गई है। 2013 में 40 के मुकाबले इसमें 37.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, शिशु जन्म दर में पिछले 10 साल में 14 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है। 2013 में ये दर 21.4 प्रतिशत थी अभी ये 18.4 प्रतिशत है। आइएमआर एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य संकेतक है, जिसे एक वर्ष से कम आयु के पैदा होनेवाले प्रति 1,000 शिशुओं पर होनेवाली मौतों की संख्या के रूप में परिभाषित किया जाता है। यह संख्या जितनी कम होगी स्वास्थ्य सेवा की पहुंच उतनी ही बेहतर मानी जाएगी। एसआरएस रिपोर्ट के मुताबिक 1971 में शिशु मृत्यु दर के मुकाबले 2023 में 80 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा बाल मृत्यु दर प्रति हजार पर 37 दर्ज की गई है। वहीं, मणिपुर में ये आंकड़ा तीन का है। 21 राज्यों में केरल ही एकमात्र ऐसा प्रदेश है, जहां शिशु मृत्यु दर इकाई में दर्ज की गई है। राज्य में ये आंकड़ा 5 का है और मणिपुर के बाद ये दूसरे नंबर पर है। रिपोर्ट में ग्रामीण क्षेत्रों में ये आईएमआर 44 से घटकर 28 पर आ गई है। वहीं शहरी इलाकों में 27 से घटकर 18 पर आंकी गई है। इस तरह 10 साल में इस दर में 36 प्रतिशत और 33 प्रतिशत की गिरावट क्रमशः दर्ज की गई है। शिशु जन्म दर में भी गिरावट का रुख रिपोर्ट में शिशु जन्म दर में भी गिरावट का रुख दर्ज किया गया है। ये दर जनसंख्या वृद्धि का एक महत्वपूर्ण निर्धारक है। इसके तहत सालभर में प्रति हजार जनसंख्या पर जीवित शिशुओं की संख्या बताई जाती है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच दशकों में जन्म दर में भारी गिरावट दर्ज की गई है। ये दर 1971 के 36.9 प्रतिशत से गिरकर 2023 में 18.4 प्रतिशत पर आ गई है। इस दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में शिशु जन्म दर करीब-करीब बराबर हो गई है। पिछले 10 वर्ष में जन्म दर 21.4 प्रतिशत से गिरकर 2023 में 18.4 प्रतिशत पर आ गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले दशक में जन्म दर में लगभग 14 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो 2013 में 21.4 से घटकर 2023 में 18.4 हो गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह 11 प्रतिशत घटकर 22.9 से 20.3 हो गई है। वहीं शहरी क्षेत्रों में यह 17.3 से घटकर 14.9 हो गई है, जो लगभग 14 प्रतिशत है। बिहार में 2023 में सबसे ज्यादा जन्म दर 25.8 दर्ज की गई, जबकि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह 10.1 के साथ सबसे कम पर था। रिपोर्ट में कहा गया है कि चंडीगढ़ में सबसे कम मृत्यु दर 4 और छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा 8.3 दर्ज की गई। भारत ने पिछले सात दशकों में भले ही चिकित्सा क्षेत्र में प्रगति करते हुए शिशु मृत्यु दर पर काबू पाया है। लेकिन आज भी शिशुओं की मौत बड़ा सवाल है। भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम रिपोर्ट 2023 के अनुसार देश में शिशु मृत्यु दर में काफी सुधार देखा गया है। ये साल 2013 में हर 1000 जन्मे बच्चों में से 40 से घटकर अब 25 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई है। यानी कि मृत्युदर में 37.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। देश में स्वास्थ्य सम्बन्धी चीजों की कमी के कारण यह समस्या और बढ़ जाती है। सरकारों ने इस समस्या से निपटने के लिए बहुत सी योजनायें लागू की है। मगर बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी तथा जागरूकता की कमी के कारण शिशुओं की मृत्यु दर में पूर्णतया कमी नहीं आई है। उचित पोषण के भाव में अब भी कई बच्चे दम तोड़ देते है। ग्रामीण इलाकों में शिक्षा की कमी एवं प्रशिक्षित नर्सो व दाइयों की कमी के कारण भी विभिन्न प्रकार की समस्यायें उत्पन्न होती है। 2025-26 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग का अनुमानित व्यय 99,859 करोड़ रुपए है। यह 2024-25 के संशोधित अनुमानों से 11% अधिक है। जो 2025-26 के लिए केंद्र सरकार के कुल बजट का लगभग 1.97 % है। यह राशि कम है इसे बढ़ाना होगा तभी भारत में नवजात शिशुओं की मौत पर रोक लगायी जा सकती है। शिशु सुरक्षा सिर्फ सरकार की ही नहीं वरन सभी की जिम्मेदारी है। सभी को एकजुट होकर इसके लिए आगे आना होगा तब जाकर हम अपने देश के शिशुओं की सुरक्षा के मामले में अन्य देशों की तुलना में ऊपरी पायदान पर आ पाएंगे। शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार शिशु जन्म के एक घंटे के भीतर मां का दूध पिलाना चाहिए। मा के गाढ़े पीले दूध में सर्वाधिक मात्रा में संक्रमण-रोधी तत्त्व मौजूद होता है। जिसे कोलोस्ट्रम कहा जाता है। इसमें बड़ी मात्रा में विटामिन ए के साथ 10 प्रतिशत तक प्रोटीन होता है। जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम होता है। 6 माह तक शिशुओं को केवल स्तनपान कराया जाना चाहिए। जिसमें मां के दूध के अलावा कोई अन्य दूध, खाद्य पदार्थ,पेय पदार्थ और यहां तक पानी भी नहीं पिलाना चाहिए। इससे शिशु डायरिया, निमोनिया,अस्थमा एवं एलर्जी से बचा रहता है। जीडीपी के प्रतिशत के रूप में भारत के स्वास्थ्य खर्च को दुनिया के औसत और अन्य विकासशील और विकसित देशों से काफी नीचे छोड़ देता है। भारत का खर्च नेपाल, बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों से तो ज्यादा है। मगर यूनाइटेड किंगडम, न्यूजीलैंड, फि नलैंड, नीदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की तुलना में जो अपने कुल सकल घरेलू उत्पाद का 9 प्रतिशत से अधिक स्वास्थ्य पर खर्च करते हैं उनसे भारत बहुत पीछे है। इसी तरह, जापान, कनाडा, स्विट्जरलैंड, फ्रांस, जर्मनी स्वास्थ्य सेवाओं पर अपनी कुल जीडीपी का कम से कम 10 प्रतिशत खर्च करते हैं। वहीं, अमेरिका अपनी जीडीपी का करीब 16 फीसदी स्वास्थ्य पर खर्च करता है।

मेडिकल पारदर्शिता की दिशा में बड़ा कदम

अब डॉक्टरों को हिंदी में भी पर्चा लिखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। देश के सबसे बड़े, बेहतरीन अस्पताल और मेडिकल कॉलेज ह्वअखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानी एम्सह्न ने इस दिशा में कदम उठाया है। उसने डॉक्टरों से कहा है कि हिंदी में भी पर्चा लिखें। इतना ही नहीं, वह जरूरत के हिसाब से मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में कराने की ओर भी आगे बढ़ रहा है।

उमेश चतुर्वेदी

हिंदी समेत भारतीय भाषाओं में डॉक्टर बोल-बतिया सकते हैं, मरीजों की तकलीफ की जानकारी भी ले सकते हैं, लेकिन उनके सामने जब इलाज, टेस्ट और दवा सुझाने की बारी आती है तो अंदर की अंग्रेजी स्वाभाविक रूप से उभर आती है। अंग्रेजी भी वैसी नहीं, अक्षर घसेटू। कुछ डॉक्टरों की पर्चियां तो ऐसी होती हैं, जिन्हें अनुभवी फार्मासिस्ट और पैथोलॉजिस्ट भी पढ़ पाने में नाकाम रहता है। लेकिन यह स्थिति बदलने जा रही है। अब डॉक्टरों को हिंदी में भी पर्चा लिखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। देश के सबसे बड़े, बेहतरीन अस्पताल और मेडिकल कॉलेज ह्वअखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानी एम्सह्न ने इस दिशा में कदम उठाया है। उसने डॉक्टरों से कहा है कि हिंदी में भी पर्चा लिखें। इतना ही नहीं, वह जरूरत के हिसाब से मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में कराने की ओर भी आगे बढ़ रहा है। एम्स की यह पहल स्वास्थ्य मंत्रालय के एक आदेश का नतीजा है। जिसमें मंत्रालय ने प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे धीरे-धीरे हिंदी में कामकाज शुरू करें। इस आदेश के बाद एम्स के हिंदी अनुभाग ने अपने सभी विभागों के कामकाज में हिंदी के उपयोग की शुरूआत करने को लेकर चिट्ठी लिखी है। इसमें सिर्फ डॉक्टरों के हिंदी में पर्चे लिखने की ही बात नहीं है, बल्कि अंदरूनी फाइलों की नोटिंग, आपसी पत्राचार और दस्तावेजों में भी हिंदी का उपयोग बढ़ाने की बात कही गई है। आज औपचारिक जीवन में अंग्रेजी के जारी वर्चस्व की पृष्ठभूमि अंग्रेजी माध्यम के जरिए औपचारिक पढ़ाई की 1860 में हुई शुरूआत है। जिसका मकसद सिर्फ भारत में अंग्रेजी जानने वाले बाबुओं को तैयार करना ही नहीं, बल्कि देसी ह्वमानसह्न को अंग्रेजी मानस में परिवर्तित करना भी था। अंग्रेजों की यह कोशिश सफल रही। जिसका असर आज भी न्याय, प्रशासन, इंजीनियरिंग और मेडिकल जैसे क्षेत्रों में दिखता है। और तो और, भाषायी माध्यम वाली बौद्धिकता को भी अपने यहां वैसी प्रतिष्ठा हासिल नहीं है, जैसी अंग्रेजी माध्यम वाले बौद्धिकों की है। नीति निर्माण में अब भी उसी नौकरशाही का दखल ज्यादा है, जो अंग्रेजी माध्यम में पढ़ी-लिखी है। हालांकि प्रशासन आदि में धीरे-धीरे ही सही, हिंदी समेत भारतीय भाषाओं का दखल बढ़ रहा है। लेकिन उच्च न्यायपालिका, मेडिकल और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में अब भी इस दिशा में आगे बढ़ने को लेकर हिचक दिखती है। इसे भी पढ़ें: केंद्र ने ओडिशा के छह मेडिकल कॉलेजों में पीजी के लिए अतिरिक्त 62 सीटों को मंजूरी दीः मुख्यमंत्री अंग्रेजी माध्यम के वर्चस्व को देखते हुए अरसे से मांग रही है कि जिसे न्याय दिया जा रहा है, उसे पता होना चाहिए कि न्याय हो भी रहा है या नहीं, न्यायिक कार्यवाही सही तरीके से चल रही है या नहीं। इसी तरह चिकित्सा क्षेत्र में भी तर्क दिया जाता रहा है कि मरीज को यह जानने का अधिकार है कि उसका किस रोग का इलाज हो रहा है, उसका कौन-सा टेस्ट कराया जा रहा है और उसे कौन-सी दवा दी जा रही है? भले ही उच्च न्यायपालिका में न्याय और न्यायिक कार्यवाही में अब भी भारतीय भाषाओं एवं हिंदी की भूमिका को सहज स्वीकार्यता नहीं मिल पाई हो। लेकिन अब मेडिकल की दुनिया में भारतीय भाषाओं और हिंदी की भूमिका बढ़ने की पीठिका तैयार हो गई है। न्याय में भारतीय भाषाओं की दखल बढ़ाने को लेकर टालमटोल करती रही न्यायपालिका मानने लगी है कि मरीजों को उसके इलाज आदि को जानने का हक संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिला हुआ है। न्यायपालिका ने मरीजों के इस हक को बीते तीस अगस्त को स्वीकार किया। इसी दिन पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने डॉक्टरों द्वारा लिखे पर्चे को साफ और स्पष्ट होने का निर्देश दिया था। अदालत ने तब कहा था कि सभी मेडिकल पर्चे और जांच रिपोर्ट साफ अक्षरों में लिखी जानी चाहिए। हाईकोर्ट ने कहा था कि सरकारी और निजी अस्पतालों-दोनों को यह व्यवस्था लागू करना चाहिए। अदालत ने यहां तक कहा था कि डॉक्टरी पर्चे कैपिटल अक्षरों में या टाइप या डिजिटल रूप में होने चाहिए। अदालत ने राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग यानी एनएमसी से भी कहा था कि वह मेडिकल कॉलेजों में छात्रों को साफ लिखावट अपनाने के लिए प्रेरित करे। हाईकोर्ट ने कहा था कि जब तक कंप्यूटर से पर्ची लिखने की व्यवस्था लागू नहीं होती, तब तक सभी डॉक्टर कैपिटल अक्षरों में ही पर्चे लिखें। इस अदालती आदेश के संदर्भ में कह सकते हैं कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के नये फैसले को एम्स द्वारा अमल करना मरीजों के हक की दिशा में बड़ा कदम है। इससे भारतीय भाषाओं को प्रशासन, न्याय और इलाज का माध्यम बनाने की कोशिशें परवान चढ़ेंगी। इससे भारतीय भाषाओं को मजबूती भी मिलेगी। इसी आदेश के आलोक में, एम्स अपने यहां मेडिकल की पढ़ाई भी हिंदी माध्यम में कराने की तैयारी में है। ध्यातव्य है कि कई राज्यों में बारहवीं तक परीक्षा और पढ़ाई का माध्यम हिंदी या भारतीय भाषाएं ही हैं। इन माध्यमों के मेधावी छात्र मेडिकल की पढ़ाई के लिए चुने जाते रहे हैं, मेडिकल में पहुंचते ही अचानक से उनका पल्ला अंग्रेजी माध्यम से पड़ जाता है। उनके सामने अचानक आया अंग्रेजी माध्यम उन पर दबाव बढ़ा देता है। इस दबाव में कई प्रतिभाएं असमय ही मौत का रास्ता अख्तियार करती रही हैं। इसी संदर्भ में अरसे से मांग होती रही है कि मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई में हिंदी माध्यम भी होना चाहिए। चूंकि मौजूदा केंद्र सरकार और उसकी वैचारिकी भारतीय भाषाओं की पक्षधर है। वैसे समाजवादी आंदोलन और उसके प्रेरणा पुरूष डॉ राममनोहर लोहिया भी हिंदी के पक्षधर रहे हैं। अतीत में केंद्र और कई राज्यों में समाजवादी सरकारें रहीं। लेकिन उन्होंने कभी इस दिशा में गंभीर प्रयास नहीं किया। इस संदर्भ को देखते हुए भारतीय भाषाओं के समर्थक मौजूदा केंद्र और बीजेपी शासित राज्य सरकारों के आभारी हो सकते हैं कि उन्होंने भारतीय भाषाओं की पक्षधरता दिखाई है।

भारत के ये शिव मंदिर, जहां घंटी बजाने से ही मिलती है सच्ची आध्यात्मिक शांति और मोक्ष

हिंदू धर्म में पूजा की शुरूआत से पहले घंटी बजाने की परंपरा पुराने समय से चली आ रही है। वहीं भारत में कई मंदिर हैं और हर मंदिर की अपनी कहानी और परंपरा है। मान्यता है कि घंटी की ध्वनि नकारात्मक ऊर्जा को दूर भगाता है और आसपास का वातावरण पवित्र होता है। बता दें कि कुछ ऐसे विशेष शिव मंदिर हैं, जहां पर घंटी बजाना सिर्फ परंपरा नहीं बल्कि पूजा का अनिवार्य हिस्सा होता है। क्योंकि यहां पर बिना घंटी बजाए पूजा अधूरी मानी जाती है। महादेव के इन मंदिरों में घंटी का विशेष महत्व है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको भारत के 3 ऐसे फेमस शिव मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर घंटी बजाना पूजा की प्रक्रिया का अनिवार्य अंग है। तो आइए जानते हैं इन मंदिरों के बारे में...

कैलासनाथर मंदिर

तमिलनाडु के कांचीपुरम में स्थित कैलासनाथर मंदिर एक प्राचीन मंदिर है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। इस मंदिर का निर्माण 8वीं शताब्दी में पल्लव वंश के दौरान हुआ था। मान्यता है कि जो भी भक्त सच्चे मन से यहां पर पूजा-अर्चना करता है और घंटी बजाता है, उसकी हर मनोकामना पूरी होती है। इस मंदिर में घंटी बजाने की परंपरा भगवान शिव को जागृत करने की नहीं बल्कि स्वयं की चेतना को जागृत करने की प्रक्रिया होती है। क्योंकि घंटी की ध्वनि एक आध्यात्मिक कंपन उत्पन्न करती है, जोकि भक्त के ध्यान को स्थिर करती है। माना जाता है कि यहां पर बिना घंटी बजाए की गई पूजा अधूरी मानी जाती है और भक्तों को पूजा का पूर्ण फल नहीं मिलता है।

घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर

यह मंदिर 12 ज्योतिलिंगों में अंतिम स्थान रखता है। घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर शिवभक्तों के लिए श्रद्धा का केंद्र है। भगवान शिव को समर्पित यह मंदिर औरंगाबाद जिले के एलोरा गुफाओं के पास स्थित है। इस मंदिर की महिमा शास्त्रों में भी वर्णित है। इस मंदिर की एक खास परंपरा है हर भक्त को मंदिर में प्रवेश करने से पहले मुख्य द्वार पर लगी घंटी जरूर बजानी चाहिए। यह घंटी सिर्फ पूजा का शुरूआती संकेत नहीं, बल्कि यह भगवान शिव के प्रति अपनी उपस्थिति और समर्पण की घोषणा कहलाती है।

माना जाता है कि घंटी बजाने से भक्त अपनी समस्त नकारात्मकता को बाहर छोड़कर मंदिर में प्रवेश करता है। भक्तों का मानना है कि यहां घंटी बजाकर मांगी गई मनोकामना जरूर पूरी होती है।

घंटेश्वर महादेव मंदिर

बता दें कि इस मंदिर की खासियत यहां पर लगी सैकड़ों छोटी-बड़ी घंटियों की श्रृंखला है। जो दूर से ही श्रद्धालुओं का ध्यान खींचती है। यहां पर आने वाला हर भक्त दर्शन करने से पहले घंटी जरूर बजाता है। मान्यता है कि अगर कोई भक्त सच्चे मन से भगवान शिव का स्मरण करके घंटी बजाता है, तो उसकी हर इच्छा पूरी होती है।

वहीं मन्नत पूरी होने के बाद भक्त यहां पर बड़ी सी पीतल की घंटी चढ़ाते हैं। जिसको मंदिर परिसर में सम्मान के साथ टांगा जाता है। सावन और महाशिवरात्रि के खास मौके पर यहां पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होती है।

टिप्स

पेट की चर्बी हो या बेजान त्वचा, रोज पिएं यह 'मैजिक' आंवला ड्रिंक

हमारी सेहत के लिए आंवला सबसे फायदेमंद माना जाता है। आंवले में विटामिन सी और कई अन्य पोषक तत्व पाएं जाते हैं, जो सेहत को दुरुस्त बनाएं रखते हैं। आंवला, इम्यूनिटी, स्किन और हेयर हेल्थ, वेट मैनेजमेंट और ओवरऑल हेल्थ के लिए फायदेमंद माना जाता है। आंवले को आप किसी प्रकार से सेवन कर सकते हैं, इसका चाहे आप अचार या सब्जी बनाकर, सलाद के रुप में या फिर जूस बनाकर भी पिया जा सकता है। आंवले को इफेक्टिव बनाने के लिए कुछ और भी चीजों को साथ मिक्स जरुर करें। हेल्थ एक्सपर्ट ने बताया है कि आंवला जूस की एक रेसिपी बताई, जिससे आपकी स्किन ग्लोइंग बनेंगी, हेल्दी हेयर और फ्लैट बेली होने में मदद करता है। आइए आपको आंवला के फायदे बताते हैं।

वेट लॉस में क्यों फायदेमंद है आंवला?

हेल्थ एक्सपर्ट मुताबिक, एक आंवले में करीब 20 संतरों के जितना विटामिन सी मौजूद होता है। यह मेटाबॉलिज्म को इंप्रूव करता है, जिससे फैट बर्निंग का प्रॉसेस फास्ट होता है। यदि आपके पेट के आसपास चर्बी जमी हुई ,तो आंवले का सेवन करना काफी फायदेमंद हो सकता है। आंवला के सेवन से क्रेविंग कंट्रोल होती है और पेट भी लंबे समय तक भरा हुआ महसूस करता है। स्किन और हेयर के साथ ही अपने शरीर को स्वस्थ बनाने के लिए अपनी डाइट में आंवले को जरुर एड ऑन करें।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

बाइक चोरी और साइबर ठगी का शिकार हुआ कपड़ा व्यवसाई

बाइक का पता बताने का झांसा देकर ठगा पांच हजार

संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के पोखरिया निवासी कपड़ा व्यवसाई राजू कुमार दास की बाइक चोरी हो जाने के बाद साइबर ठगी का शिकार हो गए। पूरे मामले पर नजर डालने से साफ पता चलता है कि चोरों और साइबर ठगों ने नाटकीय ढंग से राजू को दो बार निशाना बनाया। दरअसल 02 नवंबर की रात करीब 10:30 बजे राजू अपने साला को रेलवे स्टेशन छोड़ने अपने हीरो सुपर स्प्लेंडर जे एच 18 जी 4286 से साहिबगंज रेलवे स्टेशन पहुंचे। उन्होंने स्टेशन के पीपल के पेड़ के नीचे अपनी बाइक खड़ी की। पर जब वे वापस लौटे तो उसकी बाइक गायब थी। उसने काफी खोजबीन की पर बाइक का कहीं पता नहीं चला। तब 03 नवंबर को उसने आरपीएफ थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। राजू ने बाइक खोजने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया और फेसबुक पर बाइक की फोटो डालकर अपना नंबर भी शेयर किया। राजू ने बताया कि शुक्रवार को 10.54 बजे उसके मोबाइल नंबर 9570027328 पर एक अनजान मोबाइल नंबर 9967819607 से कॉल आया। फोन पर उससे कहा गया कि उसे उसकी चोरी हुए बाइक के बारे में पता है।5 हजार रुपए देने के बाद वो बताएगा कि उसकी बाइक कहां है। भरोसा जताने के लिए उसने राजू के व्हाट्सएप पर उसकी बाइक के चेचिस नंबर का फोटो भेजा। चेचिस नंबर का मिलान करने पर राजू को उसपर भरोसा हो गया। तब ठगों ने राजू को एक लाइव लोकेशन भेजकर जिरवाबाड़ी थाना के सामने बुलाया और व्हाट्सएप पर एक स्कैनर का फोटो भेजकर ऑनलाइन पैसे मांगे। स्कैनर पर 5 हजार रुपए भेजने पर पता चला कि वह किसी जितेंद्र कुमार का नाम से था जो बिहार के गया जिला का रहने वाला है। इसके बाद ठग उसे व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल कर समलापुर में बाइक होने का लोकेशन बता रहा था, तभी अचानक फोन कट गया। उसके बाद बार बार कॉल करने पर उधर से कॉल उठाना बंद हो गया। तब राजू को एहसास हुआ कि पहले उसकी बाइक चोरी हुई फिर साइबर ठगों ने उससे 5000 रुपए ठग लिया। राजू ने बताया कि ठगों ने उसकी बाइक के चेचिस नंबर का जो फोटो भेजा था वो उसकी बाइक से खींची गई थी। लाइव लोकेशन भी साहिबगंज का था। दोनों बातें मिलने पर साफ है कि बाइक चोर ने ही उससे ठगी की है। उसका एक सदस्य अभी भी साहिबगंज में है जिसने लाइव लोकेशन भेजा। राजू ने बताया कि उसने अपने एक परिचित से स्कैनर का डिटेल निकलवाया तो वह बिहार के गया जिला के पीरमंसूर रोड, चांद चौराहा स्थित किसी एसएस कंप्यूटर प्रेस दुकान का था। उक्त दुकानदार का मोबाइल नंबर 7482833676 पर बात कर पर दुकानदार ने बताया कि एक लड़का अक्सर उसके दुकान पर आता है और अपने जान पहचान वाले से उसके स्कैनर पर पैसे डलवाता है। फिर वह दुकानदार से पैसे लेकर चला जाता है। बहरहाल राजू ने इसकी लिखित शिकायत नगर थाना में की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लंबित आवास को अविलंब पूर्ण करें : बीडीओ

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को बीडीओ अंचल अधिकारी जयंत कुमार तिवारी की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास व अबुआ आवास योजना को लेकर सप्ताहिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इस दौरान बीडीओ श्री तिवारी ने आवास कर्मियों के साथ लंबित आवास को लेकर पंचायत वार समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने बताया कि अबुआ आवास योजना के तहत विगत वर्ष 2023-24 में कुल 139 आवास और वर्ष 2024-25 में कुल 188 आवास लंबित है। उन्होंने कहा कि अबुआ आवास योजना के तहत तृतीय किस्त प्राप्त करने वाले लाभुकों को जल्द-जल्द आवास कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत द्वितीय किस्त प्राप्त लाभुकों को मनरेगा योजना में डिमांड देकर मजदूरी भुगतान करने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लंबित आवास को अभिलंब पूर्ण करने का निर्देश दिया। वहीं बीडीओ ने बताया कि पूर्ण हो चुके सभी प्रकार के आवास के लाभुकों के घर शौचालय है कि नहीं इसका सत्यापन जलसहिया के द्वारा कर प्रखंड कार्यालय को प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। मौके पर प्रखंड समन्वयक आवास संदीप कुमार,जनसेवक ओमप्रकाश साहा,सिकंदर अली,दिगंबर दास,पंचायत सचिव सह आवास प्रभारी संतोष कुमार सुमन,राम प्रसाद चौधरी,सर्वोदय रंजन,उत्तम रजक,मोजिमिल अंसारी,महाताब आलम सहित अन्य मौजूद थे।

समग्र स्वास्थ्य सेवाओं को आम जनता तक पहुंचाने की दिशा में पहल जारी है : डॉ.रामदेव

संवाददाता

साहिबगंज : सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोरियों के तत्वावधान में आयुष्मान आरोग्य मंदिर चसगामा, स्थित पथरा व सोसो टोला सेंटिनल साइट गाँव में फाइलेरिया उन्मूलन के उद्देश्य से रात्रि रक्तपट संग्रह कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सिविल सर्जन-सह-मुख्य चिकित्सक, साहिबगंज डॉ. रामदेव पासवान एवं श्री गोलमा सोरेन मुखिया द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया।रात्रि 8:00 बजे से मध्यरात्रि 12:00 बजे तक 20 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों से रक्तपट संग्रह किया जाएगा। इसी क्रम में रात्रि चौपाल का आयोजन कर ग्रामीणों को वेक्टर जनित रोग कालाजार, मलेरिया, फाइलेरिया, डेंगू के साथ-साथ नियमित टीकाकरण, एनीमिया मुक्त भारत, जीरो डोज एवं परिवार नियोजन जैसी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया।चौपाल स्थल पर ही ग्रामीणों का बीपी, शुगर, सिकल सेल एनीमिया, मलेरिया, कालाजार, फाइलेरिया, यक्ष्मा एवं एचआईवी सहित विभिन्न स्वास्थ्य जांचें की गईं और आवश्यक दवाओं का वितरण भी किया गया। इसके अतिरिक्त आभा कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए।इस विशेष आयोजन के दौरान अबतक कुल 209 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिनमें 92 व्यक्तियों का एनसीडी स्क्रीनिंग तथा 87 आयुष्मान कार्ड बनाए गए।स्वास्थ्य विभाग द्वारा ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से जिले में जन-जागरूकता बढ़ाने बीमारियों की समय पर पहचान सुनिश्चित करने व समग्र स्वास्थ्य सेवाओं को आम जनता तक पहुँचाने की दिशा में सराहनीय पहल जारी है।

आज भी देशभर में एकता, देशभक्ति एवं सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है : डीआरएम

साहिबगंज : पूर्व रेलवे के मालदा मंडल द्वारा वंदे मातरम् के 150 वर्षीय स्मरणोत्सव का सामूहिक गायन कार्यक्रम के साथ श्रद्धापूर्वक आयोजन भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वर्ष-व्यापी स्मरणोत्सव का शुभारम्भ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सात नवम्बर 2025 को प्रातः 09:30 बजे नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम से किया गया।वंदे मातरम् जिसे बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय ने सात नवम्बर 1875 को रचा था। सर्वप्रथम साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में उनके उपन्यास आनन्दमठ के अंतर्गत प्रकाशित हुआ बाद में 1882 में एक स्वतंत्र ग्रंथ के रूप में भी प्रकाशित किया गया।

दुकान से लगभग पचास हजार रुपए के सामान की चोरी हुई : दुकानदार

संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल उपकारा मलखा बाबा के सामने स्थित एक हार्डवेयर की दुकान से बीते रात्रि अज्ञात चोरों द्वारा हजारों रुपए के सामान की चोरी कर ली गई है। घटना की जानकारी दुकानदार को उस समय हुई जब दुकान के कर्मचारी शुक्रवार के सुबह 9:00 बजे दुकान खोलने दुकान पहुंचे। घटना की जानकारी देते हुए दुकान के संचालक सौरभ गुप्ता के पिता हर्षवर्धन गुप्ता ने बताया कि बीते गुरुवार को रात्रि लगभग 8:00 बजे दुकान बंद कर सभी जगह अच्छे से ताला लगा कर दुकान का कर्मचारी एवं उसका पुत्र घर चला गया शुक्रवार के सुबह जब दुकान कर्मचारी दुकान खोलने आया तो सामने का शटर बिल्कुल सही था ।दुकान का शटर खुलने पर पता चला की दुकान के अंदर के ग्रिल का ताला कटा हुआ था। और ग्रील खुला था जहां से की सीढ़ी द्वारा छत तक जाया जा सकता है। दुकानदार ने बताया कि दुकान से लगभग पचास हजार रुपए के सामान की चोरी हुई हैं। घटना की सूचना राजमल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी को देने पर राजमहल थाना पुलिस दुकान में पहुंच मामले की छानबीन की। थाना प्रभारी ने बताया कि राजमहल थाना द्वारा लगातार गश्ती की जा रही है फिर भी घटना किस तरह हो गई, इस पर गहन छानबीन की जा रही है। जल्द ही चोरों को पकड़ लिया जाएगा।

ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने घायल महिला का किया इलाज

संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के बड़ा लोहंडा निवासी महिला प्रमिला देवी उम्र 33 वर्ष को उसके ही पति सुरेश राम ने लाठी डंडे से बुरी तरह से मारकर घायल कर दिया। जहां इस मारपीट की घटना के बाद घायल महिला किसी तरह अपनी जान बचाकर थाना पहुंची और मारपीट करने की शिकायत पुलिस से की। जिसके बाद पुलिस ने उसे इलाज हेतु सदर अस्पताल भेज दिया। उधर सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ केशव कृष्णा ने फौरन घायल महिला का इलाज किया। उधर मारपीट मामले को लेकर घायल महिला प्रमिला देवी ने बताया कि उसकी शादी को 25 वर्ष हो गए हैं जहां आए दिन उसका पति उसके साथ मारपीट किया करता है। उधर पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

समस्या का समाधान नहीं हुआ तो ग्रामीण करेंगे आंदोलन

संवाददाता

साहिबगंज : श्रीकुंड आरसीडी से शिवा पहाड़ आरसीडी से मधुवापारा हस्तिपरा जूहीबोना रोड का 6.675 की0मी0 लंबाई का चौड़ीकरण एवं मजबूती करण के नाम पर जमीन अधिग्रहण करने का विरोध मे श्रीकुण्ड के ग्रामीम मो फैसल के नेतृत्व मे एक शिष्टमंडल जिला भू अर्जन पदाधिकारी से मिलकर पांच सूत्री मांग पत्र सौपा।मो फैसल ने बताया कि मामले को लेकर पूर्व मे उपायुक्त,अपर समाहर्ता जिला भू अर्जन पदाधिकारी को आवेदन दिए थे। परंतु अभी तक किसी प्रकार का कोई ठोस निर्णय जिला प्रशासन के द्वारा नहीं लिया गया।उन्होंने बताया कि अगर जिला प्रशासन जल्द से जल्द हम लोगो कि समस्या का समाधान नहीं करते हैं तो सभी ग्रामीण एकजुट होकर आंदोलन करने को विवश हो जायेंगे।शिष्टमंडल मे कामरेड असगर आलम,मो मूसा,मो फैसल,श्याम सुंदर पोद्दार सहित कई लोग थे।

चिह्नित भूमि पर श्रीकुंड आर सी डी एवं शिव पहाड़ आर सी डी तक बनने वाली रास्ता जो मौज अंधारकोठा , पलस बेना,मधुबापारा,महादेवपुर, आगलोई,हस्तिपरा एवं जूही बेना तीन फसली सिंचित जमीन पर चिन्हित है। 2.अगर चिह्नित भूमि पर नई सड़क बने तो 6 पंचायत के लगभग 40 से 45 हजार परिवार के लोगों के जीवन जीविका पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा ।अगर चिह्नित भूमि पर नई सड़क बनती है तो बची शेष भूमि खेती योग्य नहीं रहेगा क्योंकि दक्षिण दिशा में एम जी आर रेल लाइन है जो एनटीपीसी फरक्का के लिए गोड्डा जिला के ललमटिया से कोयला ढोने का काम करती है जिसके धूल कण से तथा नई रोड के धूलकण व जलजलाव से जमीन नाले में बदल जाएगी।चिह्नित भूमि पर नई सड़क बनने से बाढ़ की भयावह व भयंकर स्थिति होगी जो क्षेत्र के 6 पंचायत के जनजीवन पर बहुत ही घातक प्रभाव पड़ेगा।प्रारंभिक अधिसूचना में ग्रीनलैंड को चिन्हित किया गया है जबकि उक्त भूमि पर कोई रास्ता नहीं है तो किस चीज की चोरी कारण व मजबूती कारण होगी।

न्यूज IN ब्रीफ

घर से शव बरामद, इलाके में मचा हड़कंप

साहिबगंज : बरहरवा थाना क्षेत्र के रिसोड़ चौक के पास एक घर से एक व्यक्ति का शव बरामद होने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान बोकारो जिला के हिरला थाना क्षेत्र निवासी 45 वर्षीय राजेश मुर्मू के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार, बरहरवा थाना क्षेत्र के मेहंदीडांगा गांव निवासी जमीरुल इस्लाम राजेश को मजदूरी के लिए दिल्ली ले जाने वाला था। गुरुवार की रात देर हो जाने के कारण राजेश को रिसोड़ स्थित एक घर में ठहराया गया था।सुबह जब लोगों ने राजेश को मृत अवस्था में देखा तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही बरहरवा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है।स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएँ हैं। कुछ लोगों का कहना है कि राजेश की मौत सामान्य नहीं है और मामला संदिग्ध लग रहा है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा।

गांव की शांति सुरक्षा और जानकारी का पहला स्त्रोत चौकीदार ही होता है : जयंत तिवारी

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड क्षेत्र के नवनियुक्त चौकीदारों ने चार महीने का प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद शुक्रवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय उधवा में विधिवत रूप से अपना योगदान दिया। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी जयंत तिवारी ने सभी नवनियुक्त चौकीदारों से एक-एक कर परिचय प्राप्त किया और उन्हें अपने कार्य के प्रति निष्ठावान व ईमानदार रहने की सलाह दी।बीडीओ सह सीओ जयंत तिवारी ने कहा कि चौकीदार प्रशासन की आंख और कान होते हैं। गांव की शांति सुरक्षा और जानकारी का पहला स्त्रोत चौकीदार ही होता है। इसलिए आप सभी का कर्तव्य है कि आप अपने क्षेत्र में होने वाली हर गतिविधि की सटीक जानकारी समय पर प्रशासन तक पहुंचाएं और जनता के विश्वास पर खरा उतरें। उन्होंने यह भी कहा कि चौकीदारों की भूमिका ग्रामीण स्तर पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने में बेहद अहम होती है, इसलिए प्रत्येक चौकीदार को अपने कार्य को जिम्मेदारी और निष्ठा से निभाना चाहिए। मौके पर अमित मंडल, मेघनाथ मंडल, बिप्लव झा, राहुल घोष, सौरभ घोष, रामजी मंडल, माम्पी कुमारी, पूजा कुमारी, प्रतीभा कुमारी, सुमन कुमारी, मेहनाज खातून, मनीष मंडल, सेंटू मंडल, देवीशन सोरेन, अजय मंडल, बाबू धन सोरेन समेत अन्य मौजूद थे।

उपायुक्त ने जनता दरबार में सुनी लोगों की समस्याएं

साहिबगंज: समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में आज जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में जनता दरबार आयोजित किया गया। इस दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी-अपनी समस्याएं उपायुक्त के समक्ष रखीं।

उपायुक्त हेमंत सती ने प्रत्येक शिकायतकर्ता की बात ध्यानपूर्वक सुनी और उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी निवारण करना है। कार्यक्रम के दौरान भूमि, आवास, पेंशन, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, जलापूर्ति एवं अन्य योजनाओं से संबंधित कई आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने सभी प्राप्त शिकायतों की भौतिक जांच कर जल्द से जल्द निपटारा सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया।उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रत्येक शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की जाए और समाधान की प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को अवश्य भेजी जाए।जनता दरबार के दौरान उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक मामला प्राथमिकता के आधार पर निपटाया की जाए।

स्कूल में खेलने के दौरान गिरकर गंभीर रूप से घायल

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत महादेवगंज निवासी शामु पहाड़िया का 10 वर्षीय पुत्र रोहित पहाड़िया शुक्रवार को स्कूल में खेलने के दौरान गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। जहां स्कूल के गार्ड के द्वारा घायल बालक को आनन फानन में बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक के देखरेख में घायल बालक का इलाज किया गया। मिली जानकारी के अनुसार रोहित पहाड़िया करम पहाड़ स्थित पहाड़िया स्कूल में कक्षा पहला का विद्यार्थी है।

शहनाज गिल ने कॉस्मेटिक प्रोसिजर को लेकर रखी अपनी राय

'बिग बॉस 13' फेम शहनाज गिल की हाल ही में एक पंजाबी फिल्म 'इक कुड़ी' रिलीज हुईं। इस फिल्म के प्रमोशन में एक्ट्रेस अब भी व्यस्त हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान शहनाज ने कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट को लेकर अपना नजरिया सामने रखा।

सही समय पर ट्रीटमेंट कराने की सलाह दी

एएनआई से बात करते हुए शहनाज ने कहा, 'अगर लड़कियां बढ़ती उम्र से डरती हैं तो कोई बात नहीं। आजकल कई तरह के ट्रीटमेंट मौजूद हैं। आप इन्हें अपना सकती हैं, लेकिन प्लीज इन्हें सही समय पर करें। कई लड़कियां इन्हें जल्दी अपनाकर अपनी नेचुरल ब्यूटी को खराब कर लेती हैं। अभी तो मैं पूरी तरह से नेचुरल हूं लेकिन जरूरत पड़ने पर फ्यूचर में यह ट्रीटमेंट करा सकती हूं।'
शहनाज को नहीं लगता उम्र के बढ़ने से डर
शहनाज गिल आगे कहती हैं, 'मुझे बढ़ती उम्र से डर नहीं लगता। मुझे लगता है कि यह अच्छी बात है। इसका मतलब है कि हम इतने साल जी चुके हैं। यह एक बड़ी बात है और मुझे लगता है कि जिस दिन मुझे झुर्रियां पड़ने लगेंगी मैं और भी ज्यादा खूबसूरत महसूस करूंगी।'

फिल्म 'इस कुड़ी' को लेकर उत्साहित शहनाज

अमरजीत सिंह सरोन द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म 'इक कुड़ी' 31 अक्टूबर को रिलीज हुई। इस पंजाबी फिल्म में वह लीड रोल कर रही हैं। हाल ही में इस फिल्म की एक स्पेशल स्क्रीनिंग मुंबई में भी की गई।

शौंकी सरदार के बाद अब निमृत कौर अहलूवालिया की ओटीटी पर एंट्री

शुरू की नई वेब सीरीज की शूटिंग २ अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया ने हाल ही में अपनी पहली पंजाबी फिल्म शौंकी सरदार के जरिए बड़े पर्दे पर कदम रखा। वे अब डिजिटल दुनिया में उतरने की तैयारी कर रही हैं। वह जल्द ही एक हिंदी वेब सीरीज में नजर आने वाली हैं, जिससे उनका ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू होगा। यह निमृत के करियर का एक नया मोड़ माना जा रहा है, क्योंकि वह अब छोटे पर्दे और म्यूजिक वीडियो के बाद डिजिटल स्पेस में अपनी जगह बनाने जा रही हैं। इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने आईएएनएस को बताया, निमृत अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी चुनिंदा हैं। पंजाबी फिल्म से डेब्यू करने के बाद वह कुछ समय से ऐसा प्रोजेक्ट ढूंढ रही थीं जो कहानी और किरदार दोनों के लिहाज से मजबूत हो। सूत्र ने आगे बताया कि निमृत को ऐसा कुछ करना था जिससे वह अलग-अलग तरह के किरदार निभाने की क्षमता दर्शा सकें। इसीलिए उन्होंने एक ऐसी वेब सीरीज चुनी है जो पूरी तरह अभिनय पर आधारित है।
सूत्र ने जानकारी दी कि अभिनेत्री ने इस वेब सीरीज की शूटिंग पिछले महीने मुंबई में शुरू कर दी थी, जो अभी भी जारी है। मेकर्स ने कहानी और उनके रोल को लेकर पूरी गोपनीयता बनाए रखी है, लेकिन यह जरूर कहा जा रहा है कि कहानी निमृत के किरदार के इर्द-गिर्द घूमेगी और उनके अभिनय की नई झलक पेश करेगी। बताया जा रहा है कि यह सीरीज रियल-लाइफ ड्रामा होगी, जिसमें रहस्य और सस्पेंस का भी तड़का होगा। मेकर्स का कहना है कि फिलहाल वह इस प्रोजेक्ट के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं करना चाहते, लेकिन यह वेब सीरीज निमृत की ओटीटी दुनिया में शानदार एंट्री साबित हो सकती है। उनके फैंस भी लंबे समय से उन्हें किसी नए रूप में देखने के लिए उत्साहित हैं, और यह सीरीज उनके करियर में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

कार्तिक आर्यन ने शुरू की नागज़िला की शूटिंग

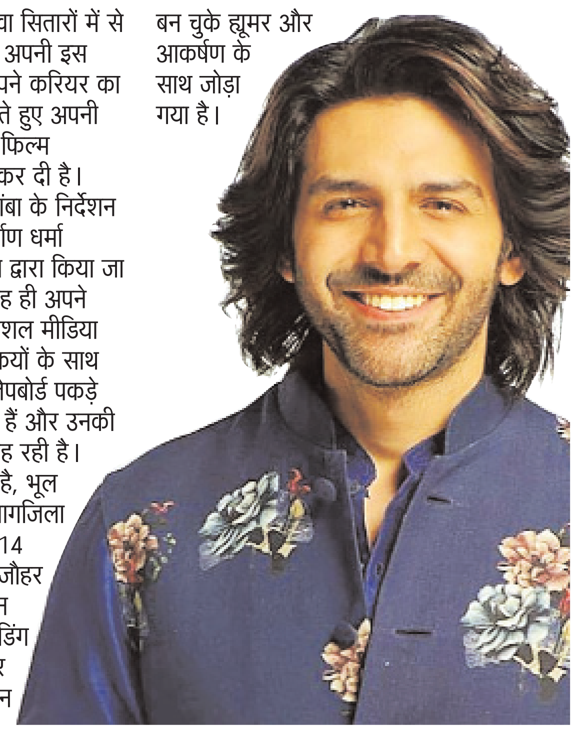

बॉलीवुड के सबसे भरोसेमंद युवा सितारों में से एक बन चुके कार्तिक आर्यन ने अपनी इस फिल्म की पहली वर्षगांठ पर अपने करियर का एक नया सिनेमाई अध्याय शुरूते हुए अपनी नई क्रीचर-कॉमेडी एंटरटेनर फिल्म 'नागज़िला' की शूटिंग शुरू कर दी है। 'फुकरे' फेम मृगदीप सिंह लांबा के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस और महावीर जैन फिल्म्स द्वारा किया जा रहा है। कार्तिक आर्यन ने आज सुबह ही अपने दर्शकों को यह खुशखबरी अपने सोशल मीडिया पर फिल्म की मुहूर्त शॉट की झलकियों के साथ साझा की है। इसमें वह क्लैपबोर्ड पकड़े मुस्कराते हुए नज़र आ रहे हैं और उनकी मोहक मुस्कान सब कुछ कह रही है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा है, भूल भुलैया 3 को हुए एक साल और नागजिला की हुई शुरुआत। हर हर महादेव। 14 अगस्त 2026 'नागज़िला', करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस और महावीर जैन फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत, एक जॉनर-बेंडिंग एंटरटेनर है, जिसमें रोमांचक क्रीचर थ्रिल्स को कार्तिक आर्यन की पहचान बन चुके ह्यूमर और आकर्षण के साथ जोड़ा गया है।

राजकुमार राव संग मिलकर शिक्षा व्यवस्था की पोल खोलेंगी तान्या मानिकतला

भारत की नई पीढ़ी के कलाकारों में तेजी से पहचान बना रही अभिनेत्री तान्या मानिकतला अब जल्द ही अभिनेता राजकुमार राव के साथ एक नई फिल्म में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म निर्देशक आदित्य निंबालकर के निर्देशन में बन रही है। इस फिल्म में तान्या युवा भारतीयों की आवाज बनेंगी। उनका किरदार फिल्म की कहानी के लिए बेहद अहम होगा। फिल्म की कहानी भारत की शिक्षा व्यवस्था की सच्चाइयों पर आधारित है। फिल्म उस दुनिया को सामने लाने की कोशिश करती है जिसे अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। वह दुनिया, जहां छात्र और शिक्षक, दोनों ही एक कठिन और प्रतिस्पर्धी सिस्टम के दबाव में जीते हैं। यह कहानी न केवल सामाजिक रूप से प्रासंगिक है, बल्कि हर उस परिवार से जुड़ती है जो बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित रहता है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि यह प्रोजेक्ट सभी कलाकारों और निर्माताओं के लिए बेहद व्यक्तिगत और भावनात्मक है।
निर्देशक आदित्य ने इस विषय को बड़ी गहराई और संवेदनशीलता से संभाला है। राजकुमार राव और तान्या मानिकतला का किरदार दर्शकों के दिल को छू लेगा। सूत्र के मुताबिक, तान्या का किरदार इस फिल्म का अहम हिस्सा है, क्योंकि यह उन युवा भारतीयों की आवाज है जो आज के दौर में शिक्षा, करियर और समाज की अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। निर्देशन के साथ-साथ फिल्म का लेखन भी आदित्य निंबालकर ने किया है। कहानी में भारत के शिक्षा जगत की उन गहराइयों को दिखाया गया है, जहां छात्रों पर पढ़ाई और परीक्षा का भारी दबाव होता है, वहीं शिक्षकों को भी सिस्टम की सीमाओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
फिल्म शिक्षा व्यवस्था के भावनात्मक, मानसिक और सामाजिक पहलुओं पर रोशनी डालती है। यह सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक ऐसा आईना है जो समाज को अपने भीतर झांकने पर मजबूर करेगा।
तान्या के पास इस वक्त कई दिलचस्प प्रोजेक्ट हैं। वह जल्द ही अपनी नई वेब सीरीज पान पर्दा जर्दा में भी नजर आएंगी। यह सीरीज अपराध और राजनीति की उस दुनिया में ले जाती है, जहां अफीम तस्करी का कारोबार चल रहा है। शो में उनके साथ प्रियांशु पैन्युली, सुशांत सिंह, राजेश तैलंग और मनु ऋषि जैसे कलाकार हैं। कहानी मध्य भारत की पृष्ठभूमि में सेट है और इसमें एक्शन, ड्रामा और रहस्य का दिलचस्प मिश्रण देखने को मिलेगा। तान्या ने 2018 में स्कूल डेज से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। 2020 में उन्होंने ईशान खट्टर के साथ ए सूटेबल बॉय में लता मेहरा का किरदार निभाया, जो उनके करियर का एक अहम मोड़ साबित हुआ।

सबा आजाद के लिए अच्छा पार्टनर बनना चाहते हैं ऋतिक

ऋतिक रोशन और सबा आजाद साल 2022 से डेट कर रहे हैं। दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी फोटो शेयर करते हैं। शनिवार को ऋतिक ने सबा को बर्थ डे विश किया। गर्लफ्रेंड के लिए एक खास मैसेज भी लिखा। साथ ही अपनी और सबा की रोमांटिक फोटोज भी शेयर की हैं।

ऋतिक ने लिखा रोमांटिक नोट

ऋतिक रोशन ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर सबा को बर्थ विश करते हुए एक पोस्ट शेयर किया। इसमें वह लिखती हैं, 'मैं जो कुछ भी पाने की कोशिश करता हूं, जिस चीज का सपना देखता हूं, जो कुछ भी करता हूं। उसमें तुम्हारे लिए एक अच्छा पार्टनर बनना चाहता हूं। यह मेरा सबसे फेवरेट काम है।' वह आगे लिखते हैं, 'जन्मदिन की बधाई हो, मेरी जान।'

सबा आजाद का करियर फ्रंट

सबा आजाद के करियर फ्रंट की बात करें तो वह फिल्मों और वेब सीरीज में एक्टिंग करती हैं। इस साल वह अनुराग कश्यप की एक अनाम फिल्म का हिस्सा बन रही हैं। वहीं 'सॉन्ग ऑफ पैराडाइज' नाम का एक प्रोजेक्ट भी कर चुकी हैं। एक्टिंग के अलावा सबा आजाद बतौर सिंगर भी एक्टिव रहती हैं।

ईसीबी ने कूकाबुरा गेंद प्रयोग को किया समाप्त, 2026 से काउंटी चैम्पियनशिप में फिर लौटेगी ड्यूक बॉल

एजेंसी

लंदन : इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने काउंटी चैम्पियनशिप में कूकाबुरा गेंद के उपयोग को 2026 सीजन से समाप्त करने का फैसला किया है। यह निर्णय काउंटी क्रिकेट निदेशकों और प्रोफेशनल गेम कमेटी से प्राप्त प्रतिक्रियाओं के बाद लिया गया है। कूकाबुरा गेंद का प्रयोग तीन साल पहले शुरू किया गया था ताकि काउंटी क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप अपने कौशल विकसित करने का अवसर मिल सके। हालांकि, इस प्रयोग को असफल माना गया क्योंकि इससे मैचों में रोमांच की कमी देखी गई। इस साल ओवल में सरे और डरहम के बीच हुए मुकाबले में मेजबान टीम ने 820 रन बनाकर पारी घोषित की, जो इस प्रयोग की विफलता का प्रमुख उदाहरण माना गया। ईसीबी के

अनुसार, कूकाबुरा गेंद पहली बार 2023 सीजन में दो राउंड के लिए इस्तेमाल की गई थी, जिसके बाद 2024 और 2025 में इसे चार-चार राउंड तक बढ़ाया गया। लेकिन अक्टूबर में हुई बैठक में 18 प्रथम श्रेणी काउंटियों के क्रिकेट निदेशकों ने इस प्रयोग को बंद करने की सिफारिश की। इसके बाद ईसीबी की प्रोफेशनल गेम कमेटी ने इस सप्ताह औपचारिक रूप से इस निर्णय को मंजूरी दे दी। अब 2026 सीजन से काउंटी चैम्पियनशिप के सभी 14 राउंड पारंपरिक हैंड-स्टिच्ड ड्यूक बॉल से खेले जाएंगे, जिससे कूकाबुरा की मशीन से बनी गेंद का प्रयोग समाप्त हो जाएगा।

जोकोविच ने तोड़ा सेमीफाइनल का जादू एथेंस टेनिस टूनार्मेंट के फाइनल में पहुंचे

एजेंसी

पेरिस : सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने अपनी सेमीफाइनल की हार का सिलसिला तोड़ते हुए शुक्रवार को एथेंस में चल रहे एटीपी टूनार्मेंट के फाइनल में जगह बना ली है। जोकोविच ने जर्मनी के क्वालिफायर यानिक हैंफमैन को मात्र 79 मिनट में 6-3, 6-4 से हराया। 38 वर्षीय जोकोविच का यह मुकाबले में सर्विस केवल दूसरी बार टूटी, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने पूरे नियंत्रण में रहते हुए जीत दर्ज की। फाइनल में उनका मुकाबला अमेरिकी सेबेस्टियन कोर्डा या इतालवी लोरेन्जो मुसेटी में से किसी एक से होगा। खास बात यह है कि मुसेटी को एटीपी फाइनल्स (ट्यूरिन) में जगह बनाने के लिए

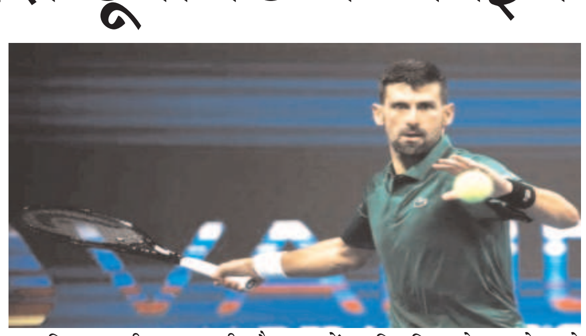

यह खिताब जीतना जरूरी है। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, ह्लयह इस टूर्नामेंट में मेरा अब तक का सबसे बेहतरीन टेनिस था, और यह सही समय पर आया। हैंफमैन एक खतरनाक खिलाड़ी है – उसकी सर्विस और ग्राउंडस्ट्रोक्स दोनों ही मजबूत हैं, इसलिए मुझे पूरे मैच में फोकस रहना पड़ा। यह जीत जोकोविच के लिए खास रही क्योंकि उन्होंने लगातार चार सेमीफाइनल हारों का सिलसिला तोड़ा – वे पहले रोलां गैरोस, विंबलडन, यूएस ओपन और शंघाई में अंतिम-4 में हार चुके थे। उनकी पिछली सेमीफाइनल जीत मई में जेनेवा क्ले कोर्ट टूनार्मेंट में हुई थी, जहां उन्होंने फाइनल में ह्यूबर्ट हुर्काच को हराकर अपना 100वां करियर सिंगल्स खिताब जीता था। पुरुषों में उनसे अधिक खिताब केवल रोजर फेडरर (103) और जिम्मी कॉनर्स (109) के नाम हैं। मैच में जोकोविच ने पहले सेट में 3-2 पर ब्रेक हासिल किया और 6-3 से सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में हालांकि उन्होंने 2-1 पर सर्विस गंवाई, लेकिन तुरंत वापसी करते हुए स्कोर 3-3 किया और फिर निर्णायक ब्रेक लेकर जीत पक्की की। जीत के बाद जोकोविच ने उत्साहित दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा, ह्लएक बार फिर इस शानदार स्टेडियम को भरने के लिए आप सभी का धन्यवाद। मैंने दुनिया के कई खूबसूरत इनडोर एरेना में खेला है, लेकिन यह निश्चित रूप से मेरे करियर के टॉप-3 में से एक है ह्व

इस साल एथेंस टूनार्मेंट ने अब बंद हो चुके बेलग्रेड ओपन की जगह ली है और स्थानीय प्रशंसकों के लिए यह जोकोविच का प्रदर्शन किसी उत्सव से कम नहीं रहा।

राइबाकिना ने पेगुला को हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में बनाई जगह

एजेंसी

रियाद : कजाखस्तान की एलेना राइबाकिना ने शानदार वापसी करते हुए जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-3 से मात देकर शुक्रवार को डब्ल्यूटीए फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में जगह बना ली। अब फाइनल में राइबाकिना का सामना विश्व नंबर एक आर्यना साबालेंका या अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा से होगा। किंग सऊद यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स एरिना में खेले जा रहे इस टूनार्मेंट के दूसरे सेमीफाइनल में साबालेंका और अनिसिमोवा आमने-सामने होंगी। यह दोनों खिलाड़ियों के बीच सितंबर में हुए यूएस ओपन फाइनल का रीमैच होगा, जिसमें बेलारूस की साबालेंका ने सीधे सेटों में जीत दर्ज कर अपना चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। मैच की शुरूआत में दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी, लेकिन उसके बाद पेगुला ने अपनी लय पकड़ ली और 4-2 की बढ़त बना ली।

राइबाकिना को वार्म-अप के दौरान हुई कंधे की चोट से जूझते देखा गया, जिससे उनकी सटीकता पर असर पड़ा। पेगुला ने पहला सेट राइबाकिना की 25वीं अनफोर्स्ड एरर (गलती) के चलते 6-4 से अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे सेट में राइबाकिना ने शानदार वापसी की और शुरूआती बढ़त हासिल की। पेगुला ने वापसी की कोशिश की, लेकिन राइबाकिना ने 10वें गेम में जोरदार प्रदर्शन करते हुए सेट 6-4 से जीत लिया और मुकाबले को निर्णायक सेट तक खींच दिया। निर्णायक सेट में दोनों खिलाड़ियों ने एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी, लेकिन आठवें गेम में पेगुला की फोरहैंड नेट में जाने से राइबाकिना को निर्णायक बढ़त मिली।

सज धज कर तैयार बनारस-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस

एजेंसी

वाराणसी : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को कुछ ही देर में अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के बनारस (मंडुवाडीह) रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर आठ से चार वंदेभारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखायेंगे। और बनारस से खजुराहो के लिए चलने वाली वंदेभारत को रवाना करेंगे। ये वाराणसी को मिलने वाली 8वीं वंदे भारत है। प्रधानमंत्री के स्टेशन पर आने के पहले ही भोर से ही ट्रेन में सवार होने वाले यात्री और स्कूली बच्चे पहुंचने लगे। स्टेशन के प्लेटफार्म पर खड़ी वंदे भारत में बैठने के पूर्व यात्रियों के सामानों की चेंकिग की गई। खास बात यह है कि बनारस रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की तरह रंगोली बनाई गई है। यह रंगोली

यात्रियों में आकर्षण का केन्द्र है। बनारसझ्रखजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस पहली ऐसी वंदे भारत ट्रेन होगी, जो काशी से 3 धार्मिक शहरों काशी, विंध्याचल (मिजार्पुर) और चित्रकूट को जोड़ेगी। इससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। 8 कोच वाली इस ट्रेन में 7 चेयरकार हैं। एक कोच एक्जीक्यूटिव का रहेगा। सुरक्षा कारणों से बनारस स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर- 6 से 8 तक ट्रेनों का संचालन रोक दिया गया है। बनारसझ्रखजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस बनारस और खजुराहो के बीच सीधी कनेक्टिविटी देगी। मौजूदा विशेष ट्रेनों के मुकाबले वंदे भारत एक्सप्रेस से करीब 2 घंटे 40 मिनट की मिनट बचत होगी। यह ट्रेन वाराणसी, प्रयागराज और चित्रकूट जैसे प्रमुख धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्रों को जोड़ेगी। इसी तरह लखनऊझ्रसहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस लखनऊ से सहारनपुर की दूरी लगभग 7.45 मिनट में पूरी करेगी। इससे लखनऊ, सीतापुर, शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, बिजनौर और सहारनपुर के यात्रियों को लाभ होगा।

रेलमंत्री ने देर शाम बनारस रेलवे स्टेशन का किया निरीक्षण

शुक्रवार देर शाम वाराणसी पहुंचे रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने बनारस रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर आठ का निरीक्षण कर व्यवस्था को परखा। उन्होंने बताया कि शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चार वंदे भारत सेवाओं को वाराणसी स्टेशन से हरी झंडी दिखाएंगे। चारों वंदे भारत सेवा से रेल यात्रियों को बहुत सुविधा होगी। उन्होंने मीडिया से बातचीत में बताया कि 7 करोड़ 25 लाख से ज्यादा यात्री अब तक वंदे भारत में सफर कर चुके हैं। अमृत भारत ट्रेन हों, नमो भारत ट्रेन हों या वंदे भारत ट्रेन हों, नई पीढ़ी की ट्रेनें लाई जा रही हैं जिससे यात्रियों की सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। उन्होंने बताया कि देश में 1,300 स्टेशनों पर काम चल रहा है। इस दौरान रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सहित अन्य अफसर भी मौजूद रहे।

मध्य प्रदेश में बढ़ने लगी ठंड, भोपाल-इंदौर पचमढ़ी से भी ज्यादा ठंडे, रात के पारे में 2 से 3 डिग्री की गिरावट

- राजगढ़ जिला सबसे ठंडा, रात का पारा 9 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़का

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में इस साल सर्दी ने सामान्य समय से पहले दस्तक दी है। आमतौर पर नवंबर के दूसरे पखवाड़े में शुरू होने वाली कड़ाके की ठंड इस बार पहले ही पूरे प्रदेश को अपनी चपेट में ले चुकी है। उत्तर-पूर्वी हवाओं के असर से राज्य के अधिकांश जिलों में न्यूनतम तापमान में अचानक गिरावट दर्ज की गई है। राजगढ़ सबसे ठंडा जिला रहा, जहां रात का पारा 9 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया। वहीं, इंदौर में नवंबर की सर्दी का दस साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया है। मौसम विभाग ने बताया कि मानसून के बाद जैसे-जैसे नमी घटती है, रातें जल्दी ठंडी होने लगती हैं। पहाड़ों पर बर्फबारी होती है, बर्फ पिघलती है और ठंडी हवा मैदानों तक आती है। हवा का रुख दक्षिण-पश्चिमी से उत्तर-पूर्वी दिशा में होता है, जिसे ह्यविंड पैटर्न सेट होनाह्ल कहा जाता है। इन सभी वजहों से प्रदेश

में ठंड का असर बढ़ा है। राजधानी भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन जैसे बड़े शहरों में हिल स्टेशन पचमढ़ी से भी ज्यादा ठंड महसूस की जा रही है।

रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट दर्ज

पिछली दो रातों में प्रदेशभर में तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। रात का तापमान 10 डिग्री से नीचे आ गया। गुरुवार-शुक्रवार की रात ज्यादा ठंडी रही। सबसे ठंडा राजगढ़ रहा। यहां एक ही रात में 2 डिग्री की गिरावट के बाद तापमान 9 डिग्री पर आ गया। इंदौर में 10.3 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। मौसम विभाग का कहना है कि साल 2015 से 2024 के बीच न्यूनतम तापमान कभी भी इतने नीचे नहीं पहुंचा। साल 2017, 2020 और 2022 में पारा जरूर 11 डिग्री के आसपास रहा था। वहीं, भोपाल में पारा 2 डिग्री नीचे आ गया। रात में यह 11 डिग्री दर्ज किया गया। पिछले 10 साल में से 5 बार ऐसा हुआ है, जब पारा इतना नीचे आया हो। ग्वालियर में 11.3 डिग्री, जबलपुर में 14.6 डिग्री और उज्जैन में 13 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

प्रदेश के सभी शहरों में पारे में गिरावट

गुरुवार-शुक्रवार की रात में प्रदेश के सभी शहरों में पारे में गिरावट दर्ज की गई। दतिया में 11.1 डिग्री, गुना में 12.2 डिग्री, धार में 12.4, रीवा में 12.5 डिग्री, श्योपुर-नौगांव में 13 डिग्री, बैतूल में 13.2 डिग्री, उमरिया में 13.8 डिग्री, टीकमगढ़ में 14 डिग्री, सागर में 14.2 डिग्री, रतलाम में 14.5 डिग्री, सतना में 14.9 डिग्री, छिंदवाड़ा-दमोह में 15 डिग्री सेल्सियस रहा। झाबुआ में तीन दिन के दौरान न्यूनतम तापमान में 8.4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। ठंड बढ़ने से झाबुआ जिले में स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। कलेक्टर नेहा मीना के निदेर्शानुसार अब नर्सरी से तीसरी कक्षा तक की कक्षाएं सुबह 9 बजे से पहले और चौथी से बारहवीं तक की कक्षाएं सुबह 8 बजे से पहले नहीं लगेंगी।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मानसून के बाद नमी घटने और उत्तर की ओर से आने वाली ठंडी हवाओं के कारण सर्दी का असर तेज हुआ है।

बिहार में दूसरे चरण के चुनाव के मद्देनजर नौ से 11 नवंबर तक नेपाल-भारत सीमा रहेगी बंद

एजेंसी

पटना : बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के मद्देनजर नौ नवंबर की सुबह से 11 नवंबर तक भारत-नेपाल सीमा पूरी तरह बंद रहेगी। दूसरे चरण का मतदान 11 नवंबर को होगा। इसे लेकर सुरक्षा इंतजाम कड़े किए जा रहे हैं। मधुबनी जिले के जयनगर से नेपाल के जनकपुर तक चलने वाली ट्रेन का परिचालन भी इस दौरान बंद रहेगा। बिहार की सीमा नेपाल से 729 किलोमीटर तक फैली है। बिहार के सीमावर्ती जिलों में पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया और किशनगज शामिल हैं। यहां 11 नवंब को मतदान होना है। अररिया जिला में बिहार-नेपाल सीमा क्षेत्र में स्थानीय पुलिस और एसएसबी जवान संयुक्त रूप से रात्रि को पहरा दे रहे हैं। अररिया एसपी अंजनी कुमार ने इसकी पुष्टि की है। संयुक्त गश्त का उद्देश्य विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सीमा क्षेत्र में होने वाली अवैध गतिविधियों पर निगरानी रखना और क्षेत्र में शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखना है। जिले में 90 से अधिक नाकों पर रात को विशेष नजर रखी जा रही है। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) 48 वीं बटालियन जयनगर ने चुनाव शांतिपूर्ण और भयमुक्त कराने के लिए जिला प्रशासन को पत्र लिखा है। पत्र के अनुसार, नेपाल की ट्रेनों का परिचालन रविवार से मंगलवार तक बंद कराया जाए। चुनाव अवधि में नेपाल की ट्रेनों का परिचालन बंद कराने को लेकर मधुबनी जिला प्रशासन के पत्र के आलोक में पूर्व मध्य रेल (हाजीपुर) द्वारा एक पत्र नेपाल के रेलवे अधीक्षक को दे दिया गया है। जयनगर (नेपाल) रेलवे स्टेशन अधीक्षक एसएल मीणा ने बताया कि आज जयनगर जनकपुर बिजलपुरा के बीच अंतिम ट्रेन का परिचालन होगा। बुधवार से नेपाली ट्रेन का नियमित परिचालन शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि रविवार से लेकर मंगलवार तक परिचालन बंद रहेगा। उल्लेखनीय है कि बिहार विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए भारत-नेपाल सीमा को सुरक्षा कारणों से आठ नवंबर की सुबह से लेकर 11 नवंबर की शाम छह बजे तक पूर्णतः बंद रखा जाएगा।

रबी फसलों में बीजशोधन अनिवार्य-कृषि रक्षा अधिकारी

एजेंसी

औरैया : जिला कृषि रक्षा अधिकारी शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने किसानों को रबी की फसलों में शत-प्रतिशत बीजशोधन करने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में प्रतिवर्ष फसलों को खरपतवारों, रोगों, कीटों और चूहों से 15 से 20 प्रतिशत तक नुकसान होता है। इनमें रोगों से होने वाली क्षति सबसे अधिक होती है। बीज व भूमि जनित रोगों से बचाव हेतु बीजशोधन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ह्लबीज शोधनह्व से फसलें रोगों से सुरक्षित रहती हैं और कम लागत में अधिक पैदावार संभव होती है, जिससे किसान की आय में वृद्धि होती है। बीजशोधन न करने पर फफूंद और जीवाणु जनित रोगों का प्रकोप बढ़ जाता है, जो फसल को भारी नुकसान पहुंचा सकता है। अधिकारी ने बताया कि आलू की फसल में जीवाणु झुलसा और जीवाणुधारी रोग से बचाव के लिए स्ट्रेप्टोमायसीन सल्फेट 90% + टेट्रासाइक्लिन हाइड्रोक्लोराइड 10% की 4 ग्राम मात्रा प्रति 25 किग्रा बीज के हिसाब से 10 लीटर पानी में मिलाकर रात भर भिगोकर अगले दिन छाया में सुखाकर बोना चाहिए। वहीं गेहूं, जौ, चना, मटर, सरसों/राई और मसूर के बीजों को कार्बेन्डाजिम (50% हढ) 2 ग्राम या थीरम (75% हर) 2.5 ग्राम प्रति किग्रा बीज की दर से शोधन करना उपयोगी है। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि किसान ट्राइकोडर्मा का प्रयोग 4 ग्राम प्रति किग्रा बीज के हिसाब से कर सकते हैं।

'इस्तांबुल में पाकिस्तान-अफगानिस्तान वार्ता समाप्त, नहीं दूर हो सके मतभेद'

एजेंसी

इस्तांबुल/इस्लामाबाद/काबुल : पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने शुक्रवार देररात कहा कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच वार्ता समाप्त हो गई है। अब अगला दौर कब शुरू होगा यह अनिश्चित है। वातार्कार दोनों पक्षों के बीच गहरे मतभेदों को दूर करने में विफल रहे। पाकिस्तान-अफगानिस्तान वार्ता का तीसरा दौर गुरुवार को तुर्किये के इस्तांबुल में शुरू हुआ था। दोनों पक्षों ने बंद दरवाजों के पीछे बातचीत की। वातार्कारों ने दोनों को शांति के लिए बहुत समझाया। बात नहीं बनी। पाकिस्तान का प्रतिनिधिमंडल स्वदेश वापसी के

लिए रवाना हो गया है। पाकिस्तान के डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, रक्षामंत्री आसिफ ने जियो न्यूज के कार्यक्रम में कहा, ₹फिलहाल, जैसा कि हम बात कर रहे हैं, बातचीत समाप्त हो चुकी है।₹ इससे पहले, अधिकारियों और सूत्रों ने कहा था कि वार्ता बिना किसी समझौते के रुक गई। एक वरिष्ठ सुरक्षा सूत्र ने संवाददाताओं को बताया, ₹इस्तांबुल में बातचीत गतिरोध में है।₹ पाकिस्तान-अफगानिस्तान वार्ता का तीसरा दौर गुरुवार को इस्तांबुल में शुरू हुआ और इसे दो दिनों तक जारी रखने की योजना थी।रक्षामंत्री ने कहा कि अफगान तालिबान प्रतिनिधिमंडल लिखित समझौते पर हस्ताक्षर करने को तैयार नहीं हुआ। वह केवल मौखिक समझौते की जिद पर अड़े रहे। आसिफ ने कहा कि इस्तांबुल से खाली हाथ लौटना दुखद है। आसिफ ने स्पष्ट किया कि युद्ध विराम फिलहाल लागू है। अगर अफगानिस्तान उल्लंघन करेगा तो पाकिस्तान माकूल जवाब देगा। उन्होंने दोहराया कि पाकिस्तान की मुख्य मांग है: अफगान धरती से हमलों को रोकना। तीसरे दौर की वार्ता में इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल असीम मलिक के नेतृत्व में पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ सैन्य, खुफिया और विदेश कार्यालय के अधिकारी शामिल रहे। अफगान तालिबान पक्ष का नेतृत्व जनरल डायरेक्टरेट ऑफ इंटेलिजेंस (जीडीआई) के प्रमुख अब्दुल हक वासेक ने किया।

शेयर ट्रेडिंग का झांसा देकर रिटायर्ड इंजीनियर से 71 लाख की ठगी

एजेंसी

गौतम बुद्ध नगर : साइबर अपराधियों ने शेयर मार्केट में निवेश कर मुनाफा होने का झांसा देकर सेवानिवृत्त इंजीनियर से 71 लाख रुपये की ठगी कर ली। मुनाफे के चक्कर में बुजुर्ग इंजीनियर ने लाखों रुपये का लोन भी ले लिया। साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने आज एक कथित महिला ठग के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अपर पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम श्रीमती शैव्या गोयल ने बताया कि सेक्टर-78 स्थित एक सोसाइटी में रहने वाले 80 वर्षीय राकेश जैन ने बताया कि इसी साल एक अक्तूबर को सोशल मीडिया पर पूजा नाम की महिला ने उनसे संपर्क किया। जल्द ही दोनों व्हाट्सऐप के माध्यम से जुड़ गए और बातचीत होने लगी। पूजा ने राकेश को शेयर बाजार मे निवेश कर मुनाफा कमाने की सलाह दी।

उसने कहा कि अगर उसके बताए अनुसार निवेश किया जाए तो कम समय में ही दो से तीन गुना तक मुनाफा हो सकता है। कई दिन तक बातचीत करने के बाद जब इंजीनियर निवेश करने का विचार कर रहे थे, तभी महिला ने उन्हें एक व्हाट्सऐप ग्रुप पर जोड़ लिया। इंजीनियर को व्हाट्सऐप ग्रुप पर ही शेयर ट्रेडिंग का प्रशिक्षण मिलने लगा। ठगों ने फायर्स एसएनआई नाम का ऐप भी डाउनलोड करवा दिया। यह ऐप बेगलुरु स्थित एक ब्रोकरेज फर्म फायर्स सिक्योरिटी के नाम से मिलता-जुलता था। संबंधित फर्म की पीड़ित को पहले से जानकारी थी, ऐसे में उसने महिला की बातों पर यकीन कर लिया। ऐप में कुछ नियम और शर्तें भी थीं, जिसमें ईपीओ में निवेश करने पर छूट की बात थी। पीड़ित ने डिस्काउंट के चक्कर में कुछ आईपीओ में निवेश करना शुरू कर दिया। शुरूआती चरण में निवेश करने पर इंजीनियर को मुनाफा हुआ। उनको मुनाफे समेत रकम निकालने की अनुमति भी दी गई। इसके बाद इंजीनियर को यकीन हो गया कि उनका धन सही जगह पर निवेश कराया जा रहा है। उन्होंने मुनाफे के चक्कर में 10 से अधिक बार में 71 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। अचानक पीड़ित को रुपये की आवश्यकता पड़ गई। ऐसे में उन्होंने मुनाफे समेत रकम निकालने का प्रयास किया। इस दौरान ठगों ने पीड़ित को लोन भी दिया। बताया गया कि विभिन्न करों और लोन का ब्याज चुकाने के बाद ही रकम निकल सकेगी। बार-बार रुपये वापस करने के लिए कहने पर ठगों ने इंजीनियर को ग्रुप से ही बाहर कर दिया। कथित महिला पूजा का नंबर भी बंद आने लगा। इसके बाद पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की।

सीज वाहनों के लिए बनेगा नया यार्ड, परिवहन विभाग को मिलेगी बड़ी राहत

मंगलाकाली मंदिर के पास 8090 वर्गमीटर भूमि पर करीब 6 माह में होगा निर्माण

एजेंसी

औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया में परिवहन विभाग अब सीज किए गए वाहनों को सुरक्षित रूप से खड़ा करने में परेशान नहीं होगा। इसके लिए विभाग ने मंगलाकाली मंदिर के पास करीब 8090 वर्गमीटर क्षेत्रफल में नया यार्ड बनाने की योजना पर काम शुरू कर दिया है। यह यार्ड तैयार होने के बाद थानों और कोतवाली परिसरों के बाहर खड़े वाहनों की अव्यवस्था खत्म हो जाएगी और वाहनों की चोरी की घटनाओं पर भी रोक लगेगी। अभी तक विभाग द्वारा कार्रवाई के दौरान जब्त किए गए वाहनों को देवकली मंदिर के पास या थानों के बाहर खड़ा किया जाता था। ऐसे में सुरक्षा और रखरखाव की जिम्मेदारी बड़ी चुनौती बनी रहती थी। देवकली मंदिर के पास खड़े वाहनों की निगरानी के लिए पुलिस लाइन से कर्मियों की ड्यूटी लगानी पड़ती थी। वर्ष 2023 में देवकली मंदिर के पास से और अजीतमल कोतवाली से दो ट्रक चोरी हो जाने की घटनाओं ने विभाग को झकझोर दिया था। पुलिस ने दोनों वाहनों को दूसरे जनपद से बरामद किया था। इसके बाद से ही एक सुरक्षित और स्थायी यार्ड की जरूरत महसूस की जा रही थी।

विभाग ने करीब एक वर्ष पहले यार्ड निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजा था, जिसे अब स्वीकृति मिल गई है। देवकली के बीहड़ क्षेत्र में जमीन चयनित कर निर्माण कार्य शुरू कराया गया है, लेकिन कुछ तकनीकी खामियों के कारण फिलहाल कार्य रुका हुआ है। एआरटीओ एन.सी. शर्मा ने बताया कि यार्ड का ले-आउट दोबारा शासन को भेजा गया है। स्वीकृति मिलने के बाद निर्माण कार्य दोबारा शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद करीब छह माह में यार्ड का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। नए यार्ड के निर्माण से न केवल परिवहन विभाग को सुविधा मिलेगी बल्कि थानों के बाहर खड़े जब्त वाहनों से निजात मिलने के साथ-साथ चोरी की घटनाओं पर भी अंकुश लग सकेगा।

न्यूज IN ब्रीफ

सात दिन में 778 वाहनों पर ?30.13 लाख का जुमार्ना

औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में यातायात माह के अंतर्गत चलाए जा रहे विशेष अभियान में पुलिस ने नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की है। पिछले सात दिनों के भीतर 778 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 30.13 लाख का जुमार्ना वसूला गया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती निर्देशन में चल रहे इस अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराना है। अभियान के दौरान पुलिस कर्मियों ने वाहन चालकों को हेलमेट, सीट बेल्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण और बीमा संबंधी नियमों की जानकारी दी। यातायात प्रभारी ने बताया कि अभियान के दौरान विशेष रूप से ओवरलोडिंग, तेज रफ्तार, बिना हेलमेट और नाबालिग ड्राइविंग करने वालों पर सख्ती की जा रही है। उन्होंने कहा कि आमजन सुरक्षा के लिए नियमों का पालन करें और अपने परिवार व समाज के लिए जिम्मेदार नागरिक बनें।

एक शाम साँवरे के नाम : भक्ति, प्रेम और उल्लास से झूम उठा अजीतमल

औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के अजीतमल जनता महाविद्यालय परिसर में श्याम परिवार अजीतमल-बाबरपुर द्वारा आयोजित ह्लएक शाम साँवरे के नामह्व चतुर्थ श्री श्याम जन्मोत्सव का आयोजन भक्ति, प्रेम और उल्लास के बीच भव्यता से सम्पन्न हुआ। पूरा परिसर रंग-बिरंगी रोशनी, पुष्प सजावट और ह्लजय श्री श्यामह्व के जयकारों से गूंज उठा। दूर-दूर से आए श्रद्धालुओं ने सांवरे के दर्शन कर भजन संध्या का आनंद लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ अखण्ड ज्योति प्रज्ज्वलन से हुआ। इसके पश्चात इत्र वर्षा, छप्पन भोग, पुष्प होली और राधा-कृष्ण की मनोहारी झांकी ने उपस्थित जनसमूह को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। राधा-कृष्ण के युगल नृत्य और पुष्पवर्षा के बीच श्रद्धालु भी झूम उठे और ह्लश्याम श्यामह्व के जयकारे लगाने लगे। भजन प्रवाहिका अर्पणा मिश्रा व अनन्त मिश्रा (नाथ नगरी, बरेली) ने अपनी मधुर स्वर लहरियों में ह्लमेरे श्याम आएंगे सज-धज केह्व और ह्लश्याम तेरी बंसी पुकारेह्व जैसे भजनों से भक्ति का अद्भुत वातावरण बना दिया। इसके बाद शर्मा सिस्टर्स (कानपुर) ने ह्लश्याम तेरा नाम निराला हैह्व और ह्लहारे के सहारे तू सांवरेह्व प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भावविह्वल कर दिया। वहीं राजा सांवरिया (आगरा) ने ह्लले चलो श्याम दरबार मेंह्व और ह्लखाटू वाले श्याम हमारा सहाराह्व जैसे ऊर्जावान भजनों से समा बाँध दिया। संगीत की बागडोर सागर म्यूजिकल ग्रुप, आगरा ने संभाली, जबकि कार्यक्रम का लाइव प्रसारण कृष्णा स्टूडियो, आगरा द्वारा किया गया, जिससे दूरस्थ श्रद्धालु भी आयोजन से जुड़े रहे। गुरुवार की मध्यरात्रि में बाबा श्याम का जन्मोत्सव केक काटकर धूमधाम से मनाया गया। शंखनाद, दीपमालाओं और जयकारों के बीच पूरा परिसर ह्लजय श्री श्यामह्व के उद्घोष से गूंज उठा। अंत में महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ यह भव्य आयोजन ह्लकरने वाला श्याम, कराने वाला श्यामह्व की पावन भावना के साथ सम्पन्न हुआ।

शिमला में महिला समेत तीन चरस तस्कर गिरफ्तार

शिमला: नशे के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत शिमला जिला पुलिस को एक बार फिर सफलता मिली है। जिले के तीन अलग-अलग थाना क्षेत्रों में शुक्रवार देर शाम पुलिस ने महिला समेत तीन व्यक्तियों से चरस बरामद की है। सभी मामलों में पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमे दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पहला मामला थाना चौपाल क्षेत्र से सामने आया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना चौपाल में प्रधान आरक्षी दिनेश कुमार के रुक्का पर मामला दर्ज किया गया। पुलिस टीम ने वार्ड नंबर-1 चौपाल में रक्षा देवी नामक महिला की रिहाइश से तलाशी के दौरान 43.140 ग्राम चरस से भरा एक गुलाबी माइक्रोन पाउच बरामद किया। बरामदगी के बाद पुलिस ने महिला के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम की धारा 20 के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दूसरा मामला चौपाल उपमण्डल के ही थाना कुपवी पुलिस ने दर्ज किया है। एएसआई संत राम की टीम ने गश्त के दौरान ढाडा नाला क्षेत्र में मुनीश पुत्र दुलची राम, निवासी गांव अरोग, तहसील नेरवा, जिला शिमला, उम्र 20 वर्ष, से 330 ग्राम चरस बरामद की। इस पर थाना कुपवी में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। तीसरा मामला राजधानी के थाना छोटा शिमला का है। एएसआई कपिल की टीम ने लोअर पंथाघाटी क्षेत्र में कार्रवाई की। पुलिस ने झटका मीट शॉप के मालिक, कुलदीप चौहान निवासी हरिपुरधार, तहसील संगड़ाह, जिला सिरमौर से 36.21 ग्राम चरस बरामद की। इस पर थाना छोटा शिमला में एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार तीनों मामलों में बरामद चरस को कब्जे में लेकर अभियुक्तों के खिलाफ जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास झुग्गी बस्ती में लगी आग, एक की मौत, एक झुलसा

नई दिल्ली : दिल्ली के रोहिणी इलाके में रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास झुग्गी बस्ती में शुक्रवार रात आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटों ने विकराल रूप ले लिया। कुछ ही पलों में सैकड़ों झुग्गियां चपेट में आ गईं। इस दौरान गैस सिलेंडर भी फट गए। इसको लेकर अभी कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य झुलस गया। दमकल विभाग को शुक्रवार रात करीब साढ़े दस बजे आग लगने की सूचना मिली। कई गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। दो दर्जन से ज्यादा फायर टेंडरों को आग बुझाने में लगाया गया है। स्थानीय पुलिस और प्रशासन की टीमें भी पहुंचीं। प्रशासन ने आसपास के इलाकों को खाली कराया और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया । दमकल अधिकारी एसके दुआ ने कहा, ₹हमें सूचना मिली कि रिठाला मेट्रो स्टेशन और दिल्ली जल बोर्ड के बीच स्थित बंगाली बस्ती की झुग्गियों में आग लग गई है। दमकल की गाड़िया मौके पर भेजी गईं। कुल 29 दमकल गाड़ियां मौके पर हैं। दमकल कर्मियों के प्रयासों से आग पर तड़के तक काबू पा लिया गया। हादसे में राजेश (30) झुलस गया, जिसे सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, मुन्ना (30) का शव मिला है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, 200 से ज्यादा झुग्गियों में आग लगी । फिलहाल जांच की जा रही है।

संदिग्ध हालात में महिला की मौत, मायके पक्ष ने ससुराल पर जलाकर मारने का लगाया आरोप

अमेठी : उत्तर प्रदेश में अमेठी जिले के इन्हौंना थाना क्षेत्र के राजापुर गांव में शुक्रवार को एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में जलकर मौत हो गई। मृतका की पहचान सुशील गुप्ता की पत्नी आंचल गुप्ता (35) के रूप में हुई है। मायके पक्ष ने ससुरालीजनों पर आंचल को जलाकर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। बाजारशुकुल निवासी जगदीश प्रकाश गुप्ता (मृतका के पिता) ने बताया कि उनकी बेटी आंचल की शादी आठ वर्ष पूर्व सुशील गुप्ता उर्फ बड़े बऊवा से हुई थी।

न्यूज IN ब्रीफ

झारखंड राज्य स्थापना दिवस की तैयारियों को लेकर बैठक संपन्न

दुमका : समाहरणालय के सभागार कक्ष में शुक्रवार को जिले के उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान की अध्यक्षता में आगामी 15 नवंबर को झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उप विकास आयुक्त श्री सचान ने सभी विभागों को अपनी उपलब्धियों की सूची तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि जिले एवं प्रखंड स्तर पर झारखंड राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस वर्ष का थीम ह्लझारखंड @25ह्व रहेगा।

उन्होंने बताया कि 11 नवंबर को ह्लरन फॉर झारखंडह्व का आयोजन किया जाएगा, जिसके रूट प्लान की जिम्मेदारी सहायक समाहर्ता को दी गई। कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार हेतु जिला जनसंपर्क पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सभी विभागों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार एलईडी वैन के माध्यम से जिले के सुदूर क्षेत्रों में करने का निर्देश दिया गया। साथ ही पर्यटन स्थलों पर भी विशेष आयोजन होंगे – सेल्फी ब्रिज में बाइक रैली, बासुकीनाथ एवं मसानजोर में साइकिल रैली आयोजित किए जाएंगे।

इसके अलावा 14 नवंबर को गांधी मैदान में जात्रा कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसकी जिम्मेदारी जेएसएलपीएस विभाग को दी गई। जनसंपर्क विभाग को नुक्कड़ नाटक आयोजित करने का निर्देश दिया गया।

जिला शिक्षा पदाधिकारी को बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु वॉल पेंटिंग, निबंध, एवं आर्ट प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्देश दिया गया। इसी क्रम में 12 नवंबर को ब्लड डोनेशन कैंप तथा 13 नवंबर को ए.टीम ग्राउंड में क्रिकेट मैच आयोजित किया जाएगा।

15 नवंबर को झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मानित किया जाएगा।

बैठक में सहायक समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय ने घोषित किया यूजी सेमेस्टर-1 परीक्षा परिणाम

दुमका : सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका द्वारा नई शिक्षा नीति के तहत संचालित यूजी सेमेस्टरझ्र1 परीक्षा 2024, सत्र 2024झ्र28 का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी परिणाम के अनुसार कुल 47,142 परीक्षार्थियों में से केवल 42.94 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित हुए हैं। विभिन्न संकायों के अनुसार वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय के कुल 930 परीक्षार्थियों में 58.39 प्रतिशत, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के कुल 41,465 परीक्षार्थियों में 42.16 प्रतिशत, विज्ञान संकाय के 3,619 परीक्षार्थियों में 47 प्रतिशत तथा गणित, सांख्यिकी एवं कम्प्यूटर एप्लीकेशन संकाय के 1,128 परीक्षार्थियों में 45.83 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित किए गए हैं। परीक्षा ओएसडी डॉ इंद्रनील मंडल ने बताया कि परिणाम विवि का आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है और जल्दी मार्कशीट भी अपलोड कर दिया जाएगा।

गढ़वा में निरीक्षण के दौरान पकड़ी गई अनाज की बोरी,

गढ़वाः जिले में जिला प्रशासन ने चोरी छुपे अनाज ले जाने के मामले को उजागर किया है. दरअसल, राज्य खाद्यान गोदाम के निरीक्षण के दौरान एक बाइक पर अनाज की बोरी ले जाते हुए एक शख्स को पकड़ा. जब उस शख्स से पूछा गया कि वह इस बोरी को कहां लेकर जा रहा है तो बाइक सवार ने बताया कि वह इस अनाज की बोरी को थाने ले जा रहा है. शख्स का जबाव सुनकर एसडीएम संजय पांडेय भड़क गए.

निरीक्षण के दौरान पकड़ी गई अनाज की बोरी

दरअसल, गढ़वा एसडीएम संजय कुमार पांडेय मेराल में दाल भात केंद्र का निरीक्षण कर रहे थे. तभी अवैध रूप से डीलर से एक बोरा अनाज की बोरी ले जाते हुए एक शख्स को पकड़ लिया. अनाज की बोरी ले जा रहे शख्स ने एसडीएम को बताया कि डीलर, चूल्हन सिंह द्वारा गोदाम से गेहूं की एक बोरी दी गई है. इसके बाद एसडीएम ने गोदाम पहुंचकर डीलर चूल्हन सिंह से पूछताछ की और उसे फटकार लगाई. एसडीएम संजय पांडेय ने डीलर को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि अनाज की बोरियों को अवैध तरीके से इधर-उधर ना करें, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी. वहीं इस पूरे मामले में डीलर चूल्हन सिंह ने बताया कि थाना का स्टाफ मुंशी रविंदर कुमार द्वारा गेहूं की दो बोरियों की मांग की गई थी, तो हमने एक बोरी गेहूं थाने भिजवा दिया.जब इस संबंध में मीडिया ने एसडीएम संजय कुमार पांडेय से सवाल पूछा तो उन्होंने बताया कि गरीबों का राशन थाने में क्यों दिया जा रहा था? इसकी जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, तीन पर मामला दर्ज

जमशेदपुर : कदमा थाना क्षेत्र की एक युवती ने शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया है। पीड़िता के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी निशांत कुमार, उसकी मां रूपा देवी और पिता मनोज कुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया है। तीनों एक ही परिवार के सदस्य हैं।पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसका परिचय 24 मार्च को निशांत कुमार से हुआ था। इसी दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। आरोप है कि निशांत ने शादी का वादा कर उससे शारीरिक संबंध बनाए और बाद में मुकर गया। जब युवती ने शादी के लिए दबाव डाला तो आरोपित और उसके परिवार वालों ने उसे धमकाया और अपमानित किया।

मानगो पुल पर भारी जाम में फंसा बाबूलाल मरांडी का काफिला

जमशेदपुर : शहर के मानगो पुल पर शनिवार को भारी जाम लगने से आम जनता के साथ-साथ भाजपा विधायक दल के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी का काफिला भी जाम में फंसा रहा। बताया जा रहा है कि पुल पर करीब एक घंटे से यातायात पूरी तरह ठप है, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं।सूत्रों के अनुसार, बाबूलाल मरांडी का काफिला सुबह लगभग 11:45 बजे मानगो पुल पर पहुंचा, लेकिन जाम की स्थिति इतनी भयावह थी कि उनका काफिला पुल से नहीं निकल पाया।

घाटशिला में हेमंत सोरेन की हुंकार, कहा

धन-बल और छल वालों को भगाओ और झामुमो को जीताओ

संवाददाता

घाटशिला : पूर्वी सिंहभूम के घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन के पक्ष में वोट अपील करने राज्य के मुख्यमंत्री सह झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष हेमंत सोरेन शुक्रवार को नरसिंहगढ़ हाट मैदान पहुंचे.

इस जनसभा में मौजूद महिला-पुरुषों को संबोधित करते हुए सीएम ने चंपाई सोरेन का नाम लिए बिना कहा कि झामुमो का बैल है और अब भाजपा का खेत जोत रहा है. भाजपा प्रत्याशी के बारे में सीएम ने कहा कि उनकी चाल-ढाल से आप सभी परिचित हैं. पार्टी प्रत्याशी सोमेश सोरेन को मृदुभाषी बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सोमेश को आप सब भारी मतों से जिताइये. ये अपने पिता स्व. रामदास सोरेन के अधूरे कार्यों को पूरा करेंगे.

सीएम ने कहा कि सोमेश के पीछे हम सभी हैं ही, घाटशिला के विकास के लिए बाकी काम हम करेंगे. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड के उद्योगों में 75% स्थानीय युवक-युवतियों को रोजगार मुहैया करवाया जाएगा. यह अबुआ सरकार है, महिलाओं के उत्थान के लिए ढाई हजार रुपया देती है, सरकार बिजली बिल भी माफ कर चुकी है.

मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि अब उपचुनाव आखिरी पढ़ाव पर है. धन-बल और छल-बल वाले लोग आएंगे वोट मांगने के लिए, उन्हें भगाना होगा. सीएम ने कहा कि अलग झारखंड राज्य आंदोलन में शहीद होने वालों के बच्चे अब बड़े और मजबूत कंधा वाले बन चुके हैं. ये झारखंड की रक्षा कर रहे हैं, झारखंडियों की आदत है- हां तो हां और ना तो ना कहने की.

सीएम हेमंत सोरेन ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि केंद्र ने टैक्स बढ़ाकर महंगाई बढ़ा दी है, आम आदमी के दैनिक उपयोग के हर सामान पर टैक्स कगाकर महंगा कर दिया है. केंद्र के इस फैसले से आम आदमी परेशान है. अंत में सीएम हेमंत ने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि वो 11 नवंबर को मतदान केंद्र आएं और वोट देकर झामुमो उम्मीदवार सोमेश चंद्र सोरेन को विजयी बनाएं.

सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय का अकादमिक काउंसिल का हुआ पुनर्गठन

संवाददाता

दुमका : सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कुनुल कंदिर ने विश्वविद्यालय की अकादमिक काउंसिल का पुनर्गठन कर दिया है। यह कदम कुलपति ने विश्वविद्यालय अधिनियम, 2000 की धारा 24 में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए उठाया है। पुनर्गठित अकादमिक काउंसिल में कुलपति प्रो. कुनुल कंदिर अध्यक्ष होंगे। सदस्य के रूप में प्रति कुलपति, विश्वविद्यालय के चारों संकायों – वाणिज्य, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और मानविकी संकाय – के डीन शामिल हैं। इसके साथ ही झारखंड सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के निदेशक तथा विभिन्न स्नातकोत्तर विभागों के विभागाध्यक्ष – जैसे कि वनस्पति विज्ञान, रसायन शास्त्र, वाणिज्य, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, हिंदी, बांग्ला, उर्दू,संस्कृत, भूगोल, समाजशास्त्र, इतिहास, गणित, दर्शनशास्त्र, भौतिकी, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, संथाली और प्राणीशास्त्र – को भी सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त रोटेशन के आधार पर अंगीभूत महाविद्यालयों के आधे प्राचार्यों को नामांकित किया गया है, जिनमें गोड्डा कॉलेज, गोड्डा; आर.डी.बी.एम. कॉलेज, देवघर; एस.आर.टी. कॉलेज, धामनी; एस.पी. कॉलेज, दुमका; मॉडल कॉलेज, पालोजोरी; मॉडल कॉलेज, सुगाबथान; मॉडल कॉलेज, दुमका; मॉडल कॉलेज, राजमहल; डिग्री कॉलेज, नाला; डिग्री कॉलेज, जरमुंडी; डिग्री कॉलेज, महगामा; डिग्री कॉलेज, शिकारीपाड़ा; डिग्री कॉलेज, मधुपुर और डिग्री कॉलेज, सरठ शामिल हैं। वहीं, प्रावधान के अनुसार पाँच संबद्ध महाविद्यालयों – ए.एन. कॉलेज, दुमका; पथरगामा कॉलेज, गोड्डा; महिला कॉलेज, गोड्डा; जगन्नाथ मिश्रा कॉलेज, जसिडीह; और शिकारीपाड़ा कॉलेज – के प्राचार्यों को भी परिषद में शामिल किया गया है। इस काउंसिल के सचिव के रूप में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार नामित किए गए हैं। ज्ञात हो कि विश्वविद्यालय अधिनियम के अनुसार अकादमिक काउंसिल का गठन तीन वर्षों की अवधि के लिए किया जाता है। अकादमिक काउंसिल का यह पुनर्गठन सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय में शैक्षणिक प्रशासन को सुदृढ़ करने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है। कुलपति प्रो. कुनुल कंदिर के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में अकादमिक समन्वय, नीतिनिर्माण और पाठ्यक्रम विकास में नवाचार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। यह पहल न केवल अंगीभूत एवं संबद्ध महाविद्यालयों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करेगी, बल्कि उच्च शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की भूमिका को और अधिक सशक्त बनाएगी।

चक्रधरपुर के युवा जिम्नास्ट अर्नब दे ने झारखंड का किया प्रतिनिधित्व

संवाददाता

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर स्तिथ वेस्ट सिंहभूम डिस्ट्रिक्ट जिमनास्टिक एसोसिएशन के प्रतिष्ठित जिम्नास्ट अर्नब दे, ने आगामी राष्ट्रीय आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करने का गौरव हासिल किया है। यह प्रतियोगिता उत्तर प्रदेश के खेलगांव पब्लिक स्कूल, प्रयागराज में 6 नवंबर से 9 नवंबर तक आयोजित की जा रही है।

चयन और तैयारीः अर्नब दे दक्षिण-पूर्व रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन सेरसा, चक्रधरपुर के जिम्नास्टिक केंद्र में प्रशिक्षित हैं। उनके कोच हैं जितेंद्र कुमार।

वे इस चयन को न केवल अपने लिए बल्कि चक्रधरपुर और झारखंड के लिए गौरव की बात मान रहे हैं।

अर्नब दे चक्रधरपुर के दक्षिण पूर्व रेलवे मिक्सड हायर सेकेंडरी स्कूल (इंग्लिश मिडियम), चक्रधरपुर में अध्ययनरत हैं। उनके पिता तारक नाथ दे रेलवे में टीएलसी पद पर कार्यरत हैं।

चक्रधरपुर से राष्ट्रीय-स्तर पर पुरुष जिम्नास्ट के रूप में चयनित होने वाले वे पहले प्रतिभागी हैं।

समर्थन एवं शुभकामनाएँः

सेरसा के स्पोर्ट्स ऑफिसर श्री हेमंत मधुर, सेक्रेटरी तेजनारायण प्रसाद, वेस्ट सिंहभूम डिस्ट्रिक्ट जिमनास्टिक एसोसिएशन के सभी सदस्य तथा कोच जितेंद्र कुमार सहित सभी ने अर्नब को इस राष्ट्रीय खेल स्पर्धा में श्रेष्ठ प्रदर्शन की शुभकामनाएँ दी हैं।

आगे का सफर

अर्नब इस प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करते हुए मैदान में उतरेंगे। उनका लक्ष्य उच्च स्तर पर प्रदर्शन कर अपने शहर व राज्य का नाम और उज्जवल करना है।

प्रतियोगिता के इस अवसर पर उनके प्रयास और समर्पण को विशेष रूप से देखा जा रहा है।

चक्रधरपुर के युवा प्रतिभाओं के लिए यह एक प्रेरक उदाहरण है कि निरंतर अभ्यास, समर्पण और सही प्रशिक्षण से राष्ट्रीय स्तर पर स्थान पाया जा सकता है। अर्नब दे की इस उपलब्धि से स्थानीय जिम्नास्टिक केंद्र एवं युवा खिलाड़ियों के लिए उत्साह एवं प्रेरणा की लहर साबित होगी।

जिला स्तरीय रबी कार्यशाला संपन्न

संवाददाता

देवघर : आत्मा सभागार में शुक्रवार को जिला स्तरीय रबी कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला का उदघाटन संयुक्त कृषि निदेशक, संताल परगना परिक्षेत्र, दुमका सत्य प्रकाश दीप प्रज्वलित कर किया गया उक्त कार्यशाला में जिले के विभिन्न प्रखण्डों से प्रगतिशील किसान प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी, प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक, सहायक तकनीकी प्रबंधक, जनसेवक तथा कृषक मित्र उपस्थित हुए।

इसके अलावा कार्यशाला में वरीय वैज्ञानिक -सह-प्रधान कृषि विज्ञान केन्द्र सूजानी, देवघर राजन ओझा के द्वारा आधुनिक तरिके से रबी मौसम के विभिन्न फसलों की खेती के संदर्भ में जानकारी दी गई, जिला कृषि पदाधिकारी डॉ० वीणा कुमारी टुडू के द्वारा विभाग द्वारा क्रियान्वित सभी योजनाओं के संबंध में जानकारी दी गई एवं कृषकों को मिट्टनी जाँच कराकर ही उन्नत खेती करने की सलाह दी गई एवं फसलों में लगने वाले रोग एवं उसके निदान पर विस्तृत जानकारी दी गई एवं रबी मौसम में 50 प्रतिशत मिलने वाले बीजों की भी जानकारी दी गई। कृषि एवं सम्वद विभाग के पदाधिकारियों द्वारा भी अपने-अपने विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं को विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। मौके पर आत्मा के उप परियोजना निदेशक, जिला उद्यान पदाधिकारी सहित विभाग के सभी कर्मी मौजूद थे।

20 लीटर महुआ शराब के साथ युवक पकड़ाया

भौरा : सुदामडीह थाना प्रभारी राहुल कुमार सिंह ने एक गुप्त सूचना के आधार पर शुक्रवार की शाम नुनूडीह में छापेमारी कर यश राज सिंह नामक एक व्यक्ति को 20 लीटर महुआ शराब के साथ गिरफ्तार जेल भेज दिया। इस संबंध में थाना प्रभारी ने बताया कि सूचना मिली कि उक्त व्यक्ति देसी शराब बेचने का काम कर रहा। सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

सेल व एफसीआई ने किया डोमगढ़ में आवासों का सर्वे

सिंदरीः धनबाद उपायुक्त के निर्देश पर सेल की महत्वाकांक्षी परियोजना टासरा प्रोजेक्ट के लिए डोमगढ़ में शुक्रवार से एफसीआई के आवासों का रिव्यू सर्वे किया गया। सर्वे की शुरूआत डोमगढ़ के डीके फोर कॉलोनी से की गई। इसमें एफसीआईएल सिंदरी और सेल चासनाला व उनके संवेदक केटीएमपीएल के अधिकारी मौजूद थे। इस संबंध में एफसीआईएल सिंदरी के वित्त व संपदा सलाहकार देवदास अधिकारी ने बताया कि एफसीआईएल सिंदरी ने उपायुक्त कार्यालय को डोमगढ़ के एफसीआई आवासों में रह रहे लोगों की सूची दी थी। उसकी पुष्टि के लिए यह रिव्यू टीम काम कर रही है। रिपोर्ट जल्द उपायुक्त कार्यालय को सौंप दी जाएगी।

केटीएमपीएल के अधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि टासरा प्रोजेक्ट के विस्तारीकरण को लेकर डोमगढ़ क्षेत्र में आवास का रिव्यू सर्वे किया जा रहा है।

नगर आयुक्त ने किया सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता

देवघर : देवघर नगर निगम के नगर आयुक्त ने शुक्रवार को सहायक नगर आयुक्त एवं नगर प्रबंधक के साथ नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत संचालित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने प्लांट की कार्यप्रणाली, कचरा प्रोसेसिंग की स्थिति तथा स्वच्छता से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। निरीक्षण में पाया गया कि दिए गए लक्ष्य का लगभग 60 प्रतिशत कार्य ही पूर्ण किया जा सका है, जबकि शेष 40 प्रतिशत कार्य अभी लंबित है। इस पर नगर आयुक्त ने प्लांट के पदाधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि शेष कार्य को आगामी एक सप्ताह के भीतर हर हाल में पूरा किया जाए।

इसके साथ ही के डिस्पोजल कार्य की धीमी प्रगति पर असंतोष जताते हुए नगर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सात दिनों के भीतर फ्छ्र्र का पूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि कचरा प्रबंधन व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, क्योंकि यह स्वच्छता रैंकिंग को सीधे प्रभावित करती है। नगर आयुक्त ने आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 को ध्यान में रखते हुए प्लांट प्रबंधन को सभी कार्य क्षेत्रों में गति लाने तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की गुणवत्ता में सुधार लाने पर विशेष फोकस करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कचरा छंटाई, प्रोसेसिंग, फ्छ्र्रनिस्तारण एवं कंपोस्टिंग कार्यों को मानक के अनुरूप पूर्ण किया जाए ताकि देवघर नगर निगम स्वच्छता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सके।निरीक्षण के दौरान सहायक नगर आयुक्त और नगर प्रबंधक ने भी विभिन्न विभागीय कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और सभी प्रक्रियाओं को समयसीमा के भीतर पूर्ण करने पर बल दिया। नगर आयुक्त ने अंत में कहा कि समय पर कार्य पूरा करने वाले अधिकारियों एवं कर्मियों को प्रोत्साहित किया जाएगा, जबकि लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।